छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 171 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 02 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

हाईकोर्ट ने कहा-लिव इन में रहकर शादी न करना रेप नहीं, महिला की अपील खारिज

छ.ग.फ्रंटलाइन बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शादी का भरोसा देकर बनाए गए शारीरिक संबंध के एक मामले में यह टिप्पणी करते हुए फैसला सुनाया है कि, लिव इन में रहकर शादी न करना रेप नहीं है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की तरफ से आरोपी को बरी किए जाने के फैसले को सही ठहराते हुए पीड़िता की अपील शुरुआती सुनवाई (एडमिशन स्टेज) में ही खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि दोनों के बीच लंबे समय तक सहमति से संबंध रहे, और वे साथ भी रहे। ऐसे मामलों में केवल शादी से इन्कार होने के आधार पर रेप का अपराध नहीं बनता।

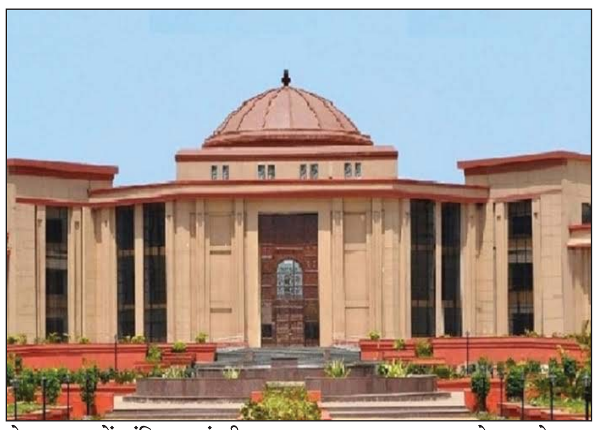

दरअसल, 40 साल की महिला ने 2019 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) रायपुर में एमबीए में एडमिशन लिया था। इसी दौरान उसकी पहचान सहपाठी युवक से हुई। पढ़ाई के दौरान दोनों के बीच बातचीत बढ़ी। महिला का आरोप था कि, 5 जुलाई 2019 को युवक ने ग्रुप स्टडी का बहाना बनाकर उसे अपने घर बुलाया, लेकिन वहां कोई दूसरा छात्र मौजूद नहीं था। उसने शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। महिला का कहना था कि, जब भी वह शादी की बात करती, वो टाल देता था। अगस्त 2021 में आरोपित ने फोन पर बताया कि महिला के तलाकशुदा होने और ईसाई समुदाय से होने के कारण उसके माता-पिता इस शादी के लिए तैयार नहीं हैं। इसके बावजूद वह शादी का भरोसा देता रहा। बाद में महिला ने पहले महिला आयोग और फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चालान पेश किया।

ट्रायल कोर्ट ने किया बरी, हाईकोर्ट में दी चुनौती

ट्रायल कोर्ट ने पाया कि दोनों बालिग थे और लंबे समय तक आपसी सहमति से संबंध में रहे। इसलिए आरोपी को बरी कर दिया। इस फैसले को महिला ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। जस्टिस संजय एस अग्रवाल और जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की डिवीजन बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि, वर्तमान समय में कई महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और अपने जीवन से जुड़े फैसले खुद लेने में सक्षम हैं। ऐसे में लंबे समय तक साथ रहने वाले रिश्तों को केवल शादी नहीं होने के आधार पर रेप नहीं माना जा सकता। कोर्ट को रिश्ते की अवधि, दोनों पक्षों के व्यवहार और परिस्थितियों को देखकर यह तय करना होगा कि संबंध आपसी सहमति से था या नहीं। कोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट के फैसले में कोई कानूनी त्रुटि या ऐसी कमी नहीं है, जिसके कारण हस्तक्षेप की जरूरत हो। इसी आधार पर अपील को एडमिशन स्टेज पर ही खारिज कर दिया।

सर्पदंश से पीड़ित की इलाज के बीच हुई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। धान उठाने के लिये खेत गये ग्रामीण को सांप काट लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के त्रिकुंडा थाना अंतर्गत ग्राम गोवर्धनपुर निवासी लालमन यादव पिता केशर यादव 56 वर्ष, 29 जून की शाम को करीब 5 बजे अपने खेत में गर्मी में लगाये गये धान का उठाव करने के लिये गया था, इसी दौरान उसे जाड़ा सांप डस लिया। स्वजन उसे डिण्डो स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, यहां से आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के बाद उसे घर जाने के लिये कहा गया। यहां रात भर वे रिश्तेदार के यहां रूके। अगले दिन पुन: तबियत बिगड़ने पर वे डिण्डो स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, यहां से रिफर करने पर वाड्रफनगर पुन: मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान बुधवार की सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है, और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

होलिका दहन दौरान जातिगत गालीगलौज, मारपीट और बंदूक दिखाकर भयभीत करने का आरोप

रघुनाथनगर थाना पुलिस से असंतुष्ट आवेदक ने आईजी से की थी शिकायत, हुई वैधानिक कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिला के रघुनाथनगर थाना अंतर्गत जातिसूचक गाली-गलौज, मारपीट, बंदूक दिखाकर भयभीत करने और पूरे परिवार को खत्म कर देने की धमकी देने के मामले में आईजी के निर्देश पर पुलिस ने दो सगे भाईयों के विरूद्ध एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, रघुनाथनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कमलपुर निवासी नन्दलाल पार्सिया पिता शिवप्रसाद 35 साल ने पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज से शिकायत की थी कि, बीते 3 मार्च को रात्रि 11.30 बजे के लगभग होलिका दहन देखने गया था, यहां पर ज्योति आदित्य व प्रवीण कृष्णा पिता बेनी माधव गुप्ता के द्वारा गाली देकर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया, और इन्हें दूर से होलिका दहन देखने के लिये कहा गया। आरोप है कि जब वह समाज के लोगों के बीच जातिगत टिप्पणी करके नीचा दिखाने से मना किया तो दोनों अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करते हुये लोहे के रॉड, हाथ मुक्का से मारपीट करने लगे। मारपीट में बीच-बचाव कर रहे उसके भाई विष्णुकांती को गंभीर चोटें आई है। इसके बाद दोनों जान बचाकर किसी प्रकार वहां से भागे तो आरोपियों ने अपने घर के पास इन्हें रोकवाया और बंदूक दिखाकर पूरे खानदान को खत्म कर देने की धमकी दी। नन्दलाल का आरोप है कि, वह इसकी शिकायत 4 मार्च को ही रघुनाथनगर थाने में किया था, परंतु आरोपियों के विरूद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस महानिरीक्षक ने मामले की जांच करके आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज करने के निर्देश दिये गये थ। शिकायत की जांच अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, वाड्रफनगर ने की, जिसमें ज्योतिरादित्य उर्फ ब्रम्हा व प्रवीण कृष्ण पिता बेनी माधव गुप्ता, दोनों निवासी कमलपुर के विरुद्ध अपराध करना पाया गया। पुलिस ने मामले में आरोपियों के विरूद्ध अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध), बीएनएस की धारा 115(2), 296, 351(2) का मामला दर्ज कर लिया है और वैधानिक कार्रवाई की है।

सीएमडीसी ने माइनिंग प्लान में मैनपाट के बौद्ध मंदिर, पर्यटन स्थलों को छिपाया

पर्यावरणीय जनसुनवाई में नई बाक्साइट खदानों का जमकर हुआ विरोध

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के शिमला मैनपाट के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के पास नए बाक्साइट खदान खोलने का जमकर विरोध हो रहा है। पर्यावरणीय जनसुनवाई में लोगों ने बाक्साइट खदानों का विरोध करते हुए बुधवार को जमकर हंगामा किया। इधर रोपाखार और कमलेश्वरपुर में नई बाक्साइट खदान खोलने के लिए पर्यावरण की जनसुनवाई में पहुंचे सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में ये खदानें स्वीकृत की गई हैं। सीएमडीसी ने मंदिरों और पर्यटन स्थलों की जानकारी दस्तावेजों में छिपाई है, इसे सदन में उठाया जाएगा, किसी को नहीं बख्शा जाएगा।

बता दें कि, मैनपाट में चार नई बाक्साइट खदानें खोली जानी हैं, इनमें रोपाखार और कमलेश्वरपुर में नई बाक्साइट खदानें खोलने के लिए पर्यावरणीय जनसुनवाई बुधवार को कमलेश्वरपुर में आयोजित की गई। जनसुनवाई में नई खदानों का जमकर विरोध किया गया। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने भी जनसुनवाई में पहुंचकर ग्रामीणों के साथ नई खदानों का विरोध किया और कहा कि बाक्साइट की खदानों से सिर्फ मैनपाट की बर्बादी हुई है। हाल में मां कुदरगढ़ी एलुमिना प्लांट द्वारा सीएमडीसी के खदानों से बाक्साइट उत्खनन किया जा रहा है। पर्यावरणीय जनसुवाई में इनके कुछ लोग खदानों के समर्थन में आगे आये, लेकिन हंगामे और विरोध के बीच इनकी आवाज दबी रह गई।

बिना पंचायतों की सहमति के कैसे मिली स्वीकृति

रोपाखार के उप सरपंच रजनीश पांडेय ने कहा कि पंचायत को रोपाखार और कमलेश्वरपुर में नई खदानों के स्वीकृति की जानकारी तक नहीं है। इन खदानों की स्वीकृति के लिए बौद्ध मंदिर, प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों और रिजर्व फारेस्ट की जानकारी तक छिपा दी गई है। उन्होंने कहा कि मैनपाट में रोज हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। इनसे सैकड़ों लोगों का रोजगार जुड़ा हुआ है। सीएमडीसी द्वारा फर्जी तरीके से बताया गया है कि इसमें 50-60 स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाएगा। पहले से मैनपाट में सात खदानें स्वीकृत हैं, जिनमें सीएमडीसी के अधिकारी और निजी कंपनियों के मालिकों द्वारा मिलीभगत करके नियमों को ताक में रखकर माइनिंग की जा रही है। मजदूरों का शोषण हो रहा है। इन खदानों की स्वीकृति किसी भी हाल में नहीं हो पाएगी और न ही सीएमडीसी को माइनिंग करने दिया जाएगा। गलत जानकारी देकर स्वीकृति का विरोध किया जाएगा।

भूपेश सरकार के कार्यकाल में स्वीकृत हुई खदानें

जनसुनवाई में सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो भी पहुंचे, तब तक पूर्व मंत्री अमरजीत भगत वापस जा चुके थे। उन्होंने मैनपाट में बाक्साइट खदानें खुलने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिन चार खदानों के लिए वर्तमान में पर्यावरणीय जनसुनवाई हो रही है, वे भूपेश सरकार में वर्ष 2021-22 में स्वीकृत हुई थीं, तब अमरजीत भगत यहां के विधायक व सरकार में मंत्री थे। रामकुमार टोप्पो ने तंज कसा कि अमरजीत भगत थोड़ा पहले गरजे होते तो अब बारिश अच्छी होती।

विधायक ने कहा-सदन में उठेगा मामला

विधायक सीतापुर रामकुमार टोप्पो ने कहा कि सीएमडीसी ने जानकारी छिपाकर बाक्साइट खदान के लिए स्वीकृति प्राप्त की है। मैनपाट के कमलेश्वरपुर और रोपाखार में बौद्ध मंदिर, पर्यटन स्थलों की जानकारी सीएमडीसी के माइनिंग प्लान में छिपाई गई है। गलत जानकारी देकर खदान की स्वीकृति प्राप्त की गई है। वे इस मामले को सदन तक उठाएंगे। विधायक ने कहा वे ग्राम सभाओं की सहमति और आम सहमति के साथ हैं। यदि ग्रामसभा और स्थानीय ग्रामीण चाहेंगे तो ही खदानें खुलेंगी।

ट्रक की ठोकर से एक बालक की मौत, घायलों का चल रहा उपचार

रामगढ़ मेला देखकर देर रात लौटते समय हुआ हादसा, ट्रक सहित चालक फरार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उदयपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ में लगे मेला से लौट रहे किशोर सहित आधा दर्जन लोगों को ट्रक का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुये देर रात ठोकर मार दिया, जिसमें एक किशोर की मौत हो गई। घटना का पता चलने पर घायलों के स्वजन अस्पताल पहुंचे, इसके बाद कोहराम की स्थिति बन गई। घटना के बाद ट्रक सहित चालक फरार हो गया।

बता दें कि, जिला प्रशासन के द्वारा आषाढ़ के प्रथम दिवस पर दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का आयोजन किया गया था। 30 जून को महोत्सव का समापन था। आयोजन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित कई व्हीआईपी का आगमन हुआ था। रामगढ़ महोत्सव में आयोजित कार्यक्रम को देखने और यहां लगे मेला में घूमने के लिये आसपास के ग्रामीण इलाकों व जिले भर से काफी संख्या में लोग पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि, सूरजपुर जिले के श्रीनगर थाना अंतर्गत ग्राम महंगई निवासी विकास अगरिया पिता रिंगू अगरिया 15 वर्ष अपने मामा छोटेलाल और गांव के दिनेश, देवप्रसाद, अजय, तीलो सहित अन्य लोगों के साथ रामगढ़ मेला घूमने आया था। रामगढ़ महोत्सव के दौरान होने वाले कार्यक्रम को देखकर और मेला घूमने बाद यहां से सभी देर रात करीब 12 बजे पैदल घर वापस लौट रहे थे, इसी दौरान नेशनल हाईवे में स्थित ग्राम डूमरडीह में ट्रक का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुये इन्हें चपेट में ले लिया, जिसमें विकास सहित अन्य लोगों को गंभीर चोटें आई थी। पास में ही रहने वाले किराना व्यवसायी ने घायलों के चीख-पुकार की आवाज सुनी और डॉयल 112 को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची टीम ने घायलों को उदयपुर स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद सभी को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर भेज दिया गया, यहां विकास अगरिया को जांच के बाद चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी घायल छोटेलाल ने परिवार के सदस्यों को दी, इसके बाद वे अस्पताल पहुंचे। घायलों में किसी का जबड़ा, तो किसी का पैर टूट गया है, जिनका उपचार चल रहा है।

ट्रक की ठोकर से बाइक सवार दंपति हुये घायल, पति की मौत

ट्रक की ठोकर से मोटरसायकल सवार दंपति घायल हो गये, इलाज के दौरान पति की मौत हो गई। घायल पत्नि का उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के राजपुर थानांतर्गत ग्राम परसवारपारा निवासी शंकर लकड़ा पिता स्व. परषोत्तम लकड़ा 42 वर्ष, मंगलवार की सुबह अपनी पत्नि बालपति के साथ मोटरसायकल से खड़गवां जाने के लिये निकला था। महान पुल के पास सामने से आ रहे ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुये इन्हें ठोकर मार दिया, जिसमें दोनों जख्मी हो गये थे। घायलों को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था, यहां इलाज के दौरान शंकर लकड़ा की मौत हो गई। घायल बालपति का उपचार चल रहा है। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

महिलाओं से चोरी के संदेह पर मारपीट, कुर्सी वार में दो के सिर से बहने लगा खून

वायरल वीडियो से अव्यवस्थाओं के बीच महोत्सव का परिदृश्य सामने आया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड स्थित रामगढ़ में दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का आयोजन के बीच कुछ महिलाओं की बेदम पिटाई का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो अव्यवस्थाओं के बीच संपन्न हुये रामगढ़ महोत्सव का प्रतीत हो रहा है। वीडियो में युवाओं और महिलाओं की भीड़ 3 महिलाओं की बेदम पिटाई करते नजर आ रही है। कुछ लोग महिलाओं पर कुर्सियों से ताबड़तोड़ प्रहार कर रहे हैं, जिसमें एक महिला के सिर से खून का रिसाव होने लगा। महिलाएं माफी मांगती भी नजर आ रही हैं, बाद में कुछ लोग इन्हें बचाते भी दिख रहे हैं। मारपीट का कारण चोरी का संदेह बताया जा रहा है। बता दें कि, भीड़भाड़ वाले स्थलों पर संदेही महिलाओं का गिरोह सक्रिय रहता है। कई बार महिलाओं के गले से चेन पार होने, पर्स गायब होने जैसे मामले सामने आते रहते हैं। महिला होने के कारण कई इन्हें भीड़ के बीच प्रवेश करने में दिक्कत नहीं जाती है। रामगढ़ महोत्सव में मुख्यमंत्री के आगमन दौरान अच्छी खासी भीड़ जमा थी। बताया जा रहा है कि मारपीट की शिकार 3 महिलाएं भी चोरी का प्रयास कर रही थीं। कुछ लोगों की नजर इन पर पड़ी और हल्ला मचाकर लोगों को सावधान किया गया। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने इन महिलाओं को पकड़ लिया और उनकी जमकर पिटाई कर दी। कुछ लोगों ने इन पर कुर्सियां बरसाया, जिसमें ये जख्मी हो गईं। महिलाओं की पिटाई का वीडियो वहां मौजूद लोगों ने मोबाइल से बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, हालांकि इसकी पुष्टि हम नहीं करते हैं।

काफी देर तक मारपीट, पुलिस को नहीं लगी भनक

वायरल वीडियो में जिन महिलाओं की पिटाई की गई, उनमें से एक के सिर से खून बहते दिखाई दे रहा है। गमछे से सिर ढंककर खून रोकने का प्रयास कर रही ये महिलायें माफी मांगते हुये दिखाई दे रही हैं। कुछ लोग इन्हें भीड़ से बचाते नजर आ रहे हैं। हालांकि घटना की शिकायत समाचार लिखे जाने तक किसी थाने में दर्ज नहीं कराई गई है। बड़ी बात यह है कि रामगढ़ महोत्सव के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से काफी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। मौके की स्थिति को देखने से आभास होता है कि काफी देर तक मारपीट का क्रम चला, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लग पाई।

जिले में अब तक 54.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भू-अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने बताया कि जिले के सभी तहसीलों में 24 घण्टे के दौरान 7.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक 24.3 मि.मी. वर्षा तहसील लखनपुर में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में 1 जून से अब तक 54.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि 01 जून 2026 से 01 जुलाई 2026 तक अंबिकापुर में 65.1, दरिमा में 41.3, लुण्ड्रा में 26.4, सीतापुर में 42.1, लखनपुर में 85.8, उदयपुर में 55.6, बतौली में 48.9 एवं मैनपाट में 69.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सेवानिवृत्त वार्ड बॉय का सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी विजय कुमार सिंह बलरामपुर द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर के वार्ड बॉय उदय नारायण शुक्ला के 30 जून को सेवानिवृत्त होने पर बुधवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्हें शॉल एवं श्रीफल भेंट करके सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने उनके लंबे सेवाकाल और सेवा भावना की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही समय-सीमा के भीतर उनकी पेंशन प्रक्रिया पूर्ण कर तत्काल पीपीओ (पेंशन भुगतान आदेश) भी प्रदान किया गया। इस दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी राजपुर सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

फील्ड में पहुंचकर वास्तविक आंकड़ों के आधार पर सुनिश्चित करें योजनाओं का लाभ : कलेक्टर

★ सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण संपन्न

★ घर-घर सर्वे कर योजनाओं से वंचित हर पात्र हितग्राही की होगी पहचान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रदेश में संचालित सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की उपस्थिति में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने अभियान की कार्ययोजना, सर्वेक्षण प्रक्रिया तथा विभागीय दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी।

अभियान का उद्देश्य शासन की 17 विभागों की 31 हितग्राहीमूलक योजनाओं का लोगों तक शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए जिले में चरणबद्ध तरीके से घर-घर सर्वेक्षण कर पात्र हितग्राहियों की पहचान की जाएगी तथा योजनाओं से जोड़ने की कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मास्टर ट्रेनरों से कहा कि वे विकासखण्ड स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करें, जिससे ग्राम स्तर पर सर्वेक्षण निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संपादित हो सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल जानकारी देने तक सीमित न रहे, बल्कि इसका उद्देश्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और प्रत्येक पात्र हितग्राही तक शासन की पहुंच

सुनिश्चित करना होना चाहिए। कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विकासखंड स्तरीय अधिकारी, रोजगार सहायकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, एएनएम, पटवारी तथा अन्य सर्वेक्षण दल के सदस्यों के साथ समन्वय स्थापित कर घर-घर सर्वेक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर संयुक्त भ्रमण से वास्तविक स्थिति का आंकलन होगा, योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों की पहचान होगी तथा प्राप्त प्रमाणिक आंकड़ों के आधार पर योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों को निर्धारित प्रपत्रों में जानकारी भरने की प्रक्रिया, परिवार वार सर्वेक्षण, डिजिटल एवं भौतिक डेटा के सत्यापन, पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने तथा विभागवार योजनाओं की समीक्षा संबंधी बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि प्रशिक्षण के बाद वे विकासखंड स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे पूरे जिले में सर्वेक्षण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप संपादित हो सके। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने कहा कि अभियान की सफलता सभी विभागों के समन्वित प्रयासों पर निर्भर है। उन्होंने मास्टर ट्रेनरों से अपेक्षा की है कि वे ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण के दौरान अभियान की अवधारणा, सर्वेक्षण की प्रक्रिया एवं डेटा संकलन की पद्धति को सरल और व्यवहारिक तरीके से समझाएं, ताकि सर्वेक्षण की गुणवत्ता और डेटा की शुद्धता बनी रहे।

उल्लेखनीय है कि सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के तहत 1 जुलाई से 11 अगस्त 2026 तक चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षण, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण, हितग्राही सत्यापन एवं विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा, आवास, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास, कौशल विकास, रोजगार, प्रमाण-पत्र सहित 17 विभागों की 31 प्रमुख योजनाओं का सर्वेक्षण कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाते हुए जिले में शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करना है।

अंबिकापुर, बिश्रामपुर व बैकुंठपुर रेलवे आरक्षण केंद्रों की नई टाइमिंग लागू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने बिलासपुर मंडल के 17 स्टेशनों पर संचालित रेलवे आरक्षण केंद्रों के संचालन समय में बदलाव किया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक बिलासपुर के आदेशानुसार नई समय-सारिणी 1 जुलाई से लागू हो गई है। नई व्यवस्था के अनुसार अंबिकापुर रेलवे स्टेशन का आरक्षण केंद्र अब सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक संचालित होगा। पहले यहां आरक्षण केंद्र सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक खुला रहता था। वहीं बिश्रामपुर और बैकुंठपुर रेलवे स्टेशनों के आरक्षण केंद्र अब सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होंगे। पहले बिश्रामपुर में आरक्षण केंद्र सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक खुला रहता था। बिलासपुर रेल मंडल के जिन 17 स्टेशनों के आरक्षण केंद्रों की समय-सारिणी में बदलाव किया गया है, उनमें अंबिकापुर, अकलतरा, अनूपपुर, नैला, सक्ती, उमरिया, अमलाई, बिजुरी, बैकुंठपुर, बिरसिंहपुर, बिश्रामपुर, बुढार, चंदिया, करगी रोड, खरसिया, कोतमा और मनेंद्रगढ़ स्टेशन शामिल हैं। नई समय-सारिणी के अनुसार सभी केंद्रों पर आरक्षण कार्य किया जाएगा।

अजबनगर में नवप्रवेशी बच्चों को कराया गया शाला प्रवेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अजबनगर में बुधवार को शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कर कक्षा पहली, छठवीं व नवमी के नव प्रवेशी बच्चों को चंदन तिलक लगा मिष्ठान खिलाकर पाठ्य पुस्तक वितरण किया गया। शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संदीप सरकार ने सभी बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने की अपील करते हुए सभी छात्रों से खूब मेहनत करने व शिक्षकों और पालकों से अपनी समस्याओं को बताने

की बात कही। इस दौरान विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती विरजानिया केरकेट्टा, प्रदीप सरकार, अर्जुन सिंह, श्यामल दास, अजीत समद्दार, तारक सरदार, आनंद विश्वास, देवदास सेन गुप्ता, नैन साय, रतन माली, गणपति विश्वास, शिक्षक विनय ठाकुर, दुर्गा साहू, संध्या तिवारी, सीमा सिंह, ममता वर्मा, सीमा सिंह, एलएन तिवारी, रश्मि श्रीवास्तव, प्रज्ञा सिंह, उमा पटेल, गामिनी सिंह, नवीन जैन, अनीता वर्मा, बृजेश, विवेक साहू, आशीष वर्मा, निरंजन एक्का व अन्य उपस्थित थे। मंच संचालक शिक्षिका पोशाक बेहरा ने किया।

संविदा कर्मचारियों की हड़ताल से चरमराई बिजली व्यवस्था, बढ़ी परेशानी

नियमितीकरण और समान वेतन की मांग पर 22 जून से अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण केंद्र बिश्रामपुर सहित लटोरी और सिलफिली क्षेत्र में कार्यरत संविदा विद्युत कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का असर अब आम लोगों पर साफ दिखाई देने लगा है। कर्मचारियों

के कार्य से अलग होने के बाद बिजली आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो गई है, जिससे उपभोक्ताओं को घंटों बिजली गुल रहने, फॉल्ट सुधार में देरी और शिकायतों के त्वरित निराकरण नहीं होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार प्रदेश संगठन के आह्वान पर बिश्रामपुर उपसंभाग के 21 संविदा कर्मचारी 22 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इनमें विद्युत वितरण केंद्र बिश्रामपुर के 6, सिलफिली के 4, लटोरी के 10 तथा उपसंभाग कार्यालय का 1 संविदा कर्मचारी शामिल है। कर्मचारियों का कहना है कि वर्षों से नियमित कर्मचारियों की तरह कार्य करने के बावजूद उन्हें न तो समान वेतन मिल रहा है और न ही सेवा सुरक्षा। इसी कारण वे नियमितीकरण और समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। हड़ताल का सबसे अधिक असर ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। बिजली लाइन में आने वाले फॉल्ट, ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याएं और अन्य तकनीकी खराबियों के निराकरण में देरी हो रही है। पहले जहां शिकायतों का समाधान कुछ घंटों में हो जाता था, वहीं अब उपभोक्ताओं को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसान, छोटे व्यापारी और व्यवसायी भी प्रभावित हो रहे हैं लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में बिजली आपूर्ति बनाए रखना पहले से ही चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे समय में संविदा कर्मचारियों की हड़ताल से विभाग की कार्यप्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। कई स्थानों पर सीमित नियमित व आउट सोर्सिंग कर्मचारियों के भरोसे विद्युत व्यवस्था संचालित की जा रही है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है।

वहीं हड़ताली कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उनका आरोप है कि लंबे समय से आश्वासन तो मिलते रहे, लेकिन नियमितीकरण और वेतन संबंधी मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इधर हड़ताल के चलते पूरे बिश्रामपुर उपसंभाग की बिजली व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। उम्मीद है कि शासन और विद्युत विभाग जल्द कर्मचारियों से बातचीत कर कोई समाधान निकाले, ताकि बिजली व्यवस्था फिर से सुचारु हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

डॉक्टर्स डे पर मूकबधिर विद्यालय पहुंचे एसईसीएल के चिकित्सक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर 1 जुलाई को केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर के चिकित्सकों ने ज्ञानोदय श्रवण बाधित विशेष विद्यालय पहुंचकर बच्चों के साथ समय बिता उन्हें फूड पैकेट वितरित किए। इस दौरान डॉक्टरों ने बच्चों का हालचाल जाना तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विशेष विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि केंद्रीय चिकित्सालय के चिकित्सकों ने बच्चों को केवल फूड पैकेट ही नहीं, बल्कि स्नेह, अपनापन और प्रोत्साहन भी दिया है। ऐसे प्रयास समाज में संवेदनशीलता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं।

केंद्रीय चिकित्सालय के प्रभारी चिकित्सक डॉ. निरंजन कुमार ने बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेते हुए विद्यालय प्रबंधन को आश्वस्त किया कि किसी भी बच्चे को स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर केंद्रीय चिकित्सालय में हरसंभव उपचार और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अवसर पर डॉ. श्रीता लाल, डॉ. हर्षवर्धन, डॉ. भवदीप सोढ़ी, डॉ. वीर भरत, डॉ. संगीता, डॉ. शुभांगी, डॉ. सत्यपाल जोलहे तथा मेट्रन रिचेल उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय प्रबंधन और विद्यार्थियों ने सभी चिकित्सकों को डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

एक टिपर एवं लगभग 90 घनमीटर अवैध भंडारित रेत जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा लगातार सघन जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग द्वारा राजपुर क्षेत्र के ग्राम नरसिंहपुर एवं बसंतपुर में अवैध रेत परिवहन और भंडारण पर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नरसिंहपुर में अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे रेत से भरे एक टिपर को जब्त कर सुरक्षार्थ पुलिस थाना राजपुर की अभिरक्षा में रखा गया है। ग्राम बसंतपुर स्थित फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण इकाई में लगभग 30 ट्रैक्टर (करीब 90 घनमीटर) अवैध रेत का भंडारण पाए जाने पर उसे जब्त कर संबंधित संचालक को नोटिस जारी किया गया है।

खनिज विभाग के अधिकारी ने बताया कि अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त सभी व्यक्तियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ खनिज नियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान में बलरामपुर-रामानुजगंज बना छत्तीसगढ़ का अग्रणी जिला

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 28 फरवरी 2026 को प्रारंभ किए गए राष्ट्रव्यापी नि:शुल्क एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान में छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले ने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। महिलाओं को भविष्य में गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से संचालित इस अभियान में जिले ने 8,785 लक्ष्य आबादी के विरुद्ध 7,931 बालिकाओं का टीकाकरण कर 90 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनस्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा मातृ एवं बाल स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है। इसी प्रतिबद्धता के अनुरूप बलरामपुर-रामानुजगंज जिले ने एचपीवी टीकाकरण अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में अग्रणी स्थान हासिल किया है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं सतत मॉनिटरिंग में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा

मैदानी अमले ने समन्वित प्रयास करते हुए अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया। दूरस्थ एवं विशेष पिछड़े जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंच बनाकर पात्र बालिकाओं का समयबद्ध टीकाकरण सुनिश्चित किया गया। जिले में 631 नियोजित सत्रों के विरुद्ध 492 टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए।

अभियान के दौरान विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से अभिभावकों और किशोरियों को एचपीवी संक्रमण तथा सर्वाइकल कैंसर से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। मितानिनों, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने घर-घर संपर्क कर पात्र बालिकाओं को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया परिणामस्वरूप जिले ने 90 प्रतिशत के साथ उपलब्धि हासिल की।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य विभाग एवं अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि जिले ने राज्य में अग्रणी स्थान अवश्य प्राप्त किया है, लेकिन हमारा लक्ष्य केवल प्रथम स्थान प्राप्त करना नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र बालिका का शत-प्रतिशत एचपीवी टीकाकरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि छूटी हुई प्रत्येक पात्र बालिका की पहचान कर विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित करें तथा विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, आश्रम-छात्रावासों और समुदाय स्तर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र बालिका एचपीवी टीकाकरण से वंचित नहीं रहनी चाहिए।

दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों वाला बलरामपुर-रामानुजगंज जिला आज राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन का उदाहरण बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के जनकल्याणकारी विजन, मजबूत प्रशासनिक नेतृत्व, विभागीय समन्वय और जनसहभागिता से कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट परिणाम लाए जा सकते हैं।

कलेक्टर ने कृषक सूचना रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में कृषकों को कम वर्षा की स्थिति में खेती के सुरक्षित और वैकल्पिक उपायों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने संयुक्त जिला कार्यालय के प्रांगण में कृषक सूचना रथ को हरी झंडी दिखाकर कृषि आकस्मिक कार्ययोजना और विशेष जन जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया।

वर्तमान खरीफ मौसम में सामान्य से कम वर्षा एवं अल-नीनो के संभावित प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए कृषकों को वैकल्पिक एवं कम पानी वाली खरीफ फसलों के संबंध में जागरूक करने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा विशेष जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत रवाना किया गया यह कृषक सूचना रथ जिले के चार तहसीलों चांदो, चलगली, रघुनाथनगर और राजपुर के विभिन्न ग्रामों और हाट-बाजारों में भ्रमण करेगा। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा गांवों में कृषि चौपाल लगाकर किसानों से सीधा संवाद किया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे चारों तहसीलों के प्रत्येक हाट-बाजार एवं ग्रामों में पहुंचकर अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचकर उन्हें वर्तमान मौसम की परिस्थितियों के अनुरूप वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक कृषि तकनीकों की जानकारी दे, जिससे कम वर्षा की स्थिति में भी उन्हें बेहतर फसल उत्पादन और अधिकतम आर्थिक लाभ प्राप्त हो सके। कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि इन चौपालों और कृषक सूचना रथ के माध्यम से किसानों को कम वर्षा की स्थिति में उपयुक्त फसल का चयन करने, मक्का सहित अन्य वैकल्पिक व कम पानी वाली खरीफ फसलों की खेती करने की सलाह दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त, नमी संरक्षण, उचित जल प्रबंधन, कृषक समृद्धि योजना, कम अवधि वाली फसलों और फसल विविधीकरण के संबंध में भी विस्तार से जागरूक किया जाएगा। साथ ही, मौके पर किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान करते हुए उन्हें आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा।

पल्स पोलियो अभियान में जिले ने हासिल किया शत प्रतिशत लक्ष्य

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन एवं सतत निगरानी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में आयोजित राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान पूर्णत: सफल रहा। स्वास्थ्य विभाग की सघन कार्य योजना और मैदानी अमले की सक्रियता के परिणामस्वरूप जिले में 5 वर्ष तक के सभी लक्षित बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि जिले में 1 लाख 10 हजार 908 बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई।

अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आशा, मितानिन तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की टीमों ने जिले के सुदूर वनांचलों, दुर्गम बस्तियों और शहरी क्षेत्रों में घर-घर जाकर बच्चों का सत्यापन किया। अंतिम दिवस शेष बच्चों को चिन्हित कर उन्हें घर पर ही पोलियो की दो बूंद पिलाई गई और पल्स पोलियो टीकाकरण में शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित किया गया।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने शत-प्रतिशत उपलब्धि पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं मैदानी अमले की सराहना की है। उन्होंने कहा कि पल्स पोलियो अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को सुरक्षा चक्र प्रदान करना है, जिसे जिले की टीम ने जन-सहयोग से पूर्ण निष्ठा के साथ निभाया है। कलेक्टर ने इस उपलब्धि का श्रेय उन जागरूक अभिभावकों को भी दिया है, जिन्होंने अपने बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए स्वास्थ्य टीमों को घर बुलाकर पोलियो की खुराक पिलवाई।

सेवानिवृत्त होने पर शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। जनपद पंचायत के सभाकक्ष में बुधवार को करारोपण अधिकारी हनुमान प्रसाद दुबे के सेवानिवृत्त होने पर गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सुलोचनी पैकरा, जनपद उपाध्यक्ष राजीव प्रताप सिंह, जनपद पंचायत सीईओ विनय गुप्ता ने सेवानिवृत्त हो रहे हनुमान प्रसाद दुबे को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह देकर उनके सफल सेवाकाल के लिए सम्मानित किया गया। जनपद उपाध्यक्ष राजीव प्रताप सिंह ने करारोपण अधिकारी हनुमान प्रसाद दुबे के सेवाका की सराहना करते हुए कहा कि समाज कल्याण विभाग में उनके द्वारा जरूरतमंदो तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहूँचाने को लेकर उनकी प्रतिबद्धता देखी और अपनी जिम्मेदारी का उन्होंने पूरी तरह निर्वाहन किया। उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त करारोपण अधिकारी हनुमान प्रसाद दुबे ने कहा कि जनपद पंचायत भैयाथान में लगभग 11 वर्षों तक पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपनी सेवाएं दी हैं। इस दौरान मिले सहयोग और अपनत्व को वे हमेशा याद रखेंगे। कार्यकाल के दौरान जाने-अनजाने में यदि किसी को उनकी बातों या व्यवहार से ठेस पहुंची हो तो वे उसके लिए क्षमाप्रार्थी है। विदाई कार्यक्रम को प्रकाश दुबे, अभय प्रताप सिंह सहित जनपद पंचायत सीईओ विनय गुप्ता ने भी संबोधित करते हुए हनुमान प्रसाद दुबे के सेवाकाल और कार्यशैली की प्रशंसा की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर राजू गुप्ता, अनिमेष दुबे, नितिन तिवारी, एसडीओ अमित ताम्रकार, कार्यक्रम अधिकारी ओपी तिवारी, आईएस अंसारी सचिव संघ अध्यक्ष आनंद सिंह, उदय सिंह सहित जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

तिलक-माला से नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत, मुख्य अतिथि की सीख ऐसी पढ़ाई कराएं कि बच्चे गढ़ें देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। बच्चों को ऐसी शिक्षा दी जाए ताकि वे पढ़ लिख कर समाज और देश के विकास में योगदान दे सकें। उक्त विचार भाजपा महामंत्री ?सौभाग्य दुबे ने बतौर मुख्य अतिथि हायर सेकंडरी स्कूल पतरापाली में आयोजित संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में व्यक्त किए। ग्राम पतरापाली हायर सेकंडरी स्कूल में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव भाजपा महामंत्री व एसएमडीसी अध्यक्ष सौभाग्य दुबे के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य अनिता सिंह, कवल साय सिंह, सरपंच परबतिया सिंह, उप-सरपंच मधुशिला सिंह, भाजपा नेता बंशी लाल शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासिन रहे। कार्यक्रम में नवप्रवेशी बच्चों को माला, तिलक व मिष्ठान के साथ स्वागत करते हुए उन्हें शाला प्रवेश कराया गया। इस दौरान नवप्रवेशी बच्चों को गणवेश व पुस्तकें वितरित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सौभाग्य दुबे ने नौनिहालों को शाला प्रवेश के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हायर सेकेण्डरी पास कराकर बच्चों को बेरोजगार बनाने वाली शिक्षा से देश को काफी नुकसान होता है। स्कूल में बच्चों को ऐसी शिक्षा दी जाए जिससे बच्चे अपना भविष्य खुद गढ़ सकें, सरकारी नौकरी में न भी जा पाएं तो कम से कम उनमें इतनी समझ होनी चाहिए कि वे अच्छे नागरिक के रुप में अपनी शिक्षा का सदुपयोग अनेक क्षेत्रों में काम करते हुए समाज और देश को आगे बढ़ाने में सकारात्मक भूमिका निभा पाएं। इस अवसर पर अरविंद सिंह, बिंदेश्वर कुशवाहा, प्राचार्य हेमसाय पोर्ते, संतोष जायसवाल, नंद कुमार सिंह, राजेश्वर सिंह, बिजेंद्र साहू, रिनु दुबे, अमोल सिंह, संजय साहू सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं अन्य स्कूल स्टाफ, छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

भाजपा का डिजिटल प्रशिक्षण, बूथ स्तर तक पहुंचे तकनीक-मंडल प्रभारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व के निदेर्शानुसार डीजीटल लर्निंग प्लेटफार्म प्रशिक्षण शिविर मंडल रामानुजनगर में आयोजित किया गया। जहां मुख्य वक्ता पूर्व जिलाध्यक्ष बाबू लाल अग्रवाल ने डिजीटल लर्निंग प्लेटफार्म प्रशिक्षण के विषय में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता जो निचले स्तर पर संगठन का काम करते हैं उन्हें भाजपा की रिति नीति सिद्धांत और विचारधारा को जानने समझने में यह प्रशिक्षण शिविर मदद करेगा। मंडल प्रभारी रितेश गुप्ता द्वारा सरल एप के माध्यम से हो रहे पार्टी के सभी कार्यों को आनलाइन सिस्टम से कैसे किया जाना है उसकी विडियो के माध्यम से जानकारी दी। मंडल प्रभारी ने सभी भारतीय जनता पार्टी के बुथ स्तर के कार्यकताओं से आग्रह किया कि वे खुद को अपग्रेड करते हुए पार्टी के होने वाले सभी गतिविधियों को आनलाइन करें। बैठक मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, सह प्रभारी जय प्रकाश उपाध्याय, महामंत्री सौभाग्य दुबे, सुमित साहू, आशुतोष दुबे, संत साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखा राजवाड़े, युवा मोर्चा अध्यक्ष संजीव गुप्ता, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्राणपती सिंह, किसान मोर्चा अध्यक्ष नारायण विश्वकर्मा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा राजेश साहू, आदिवासी मोर्चा अध्यक्ष महेन्द्र सिंह मरावी, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष राजेंद्र कुर्रे मीना सिंह कवल साय सिंह, हेमंत यादव, सुंदर लाल सिंह, संध्या राजवाड़े, भगवती पैकरा, योजित राजवाड़े, चेतन राजवाड़े, अमन तांजे, अनिता सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा भाजयुमो पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

चार राज्यों की पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की अपराध नियंत्रण के लिए बॉर्डर मीटिंग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वाड्रफनगर। सीमावर्ती क्षेत्रों में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं अंतर्राज्यीय समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस वाड्रफनगर में चार राज्यों की अंतर्राज्यीय बॉर्डर समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं झारखंड के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन, मवेशी तस्करी, गांजा, शराब एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी, वारंटियों की गिरफ्तारी, सीमावर्ती चेक पोस्टों पर नियमित जांच, प्रभावी नाकाबंदी, साइबर अपराध की रोकथाम तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने को लेकर संयुक्त कार्ययोजना तैयार की गई। अधिकारियों ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए राज्यों के बीच बेहतर तालमेल और त्वरित सूचना का आदान-प्रदान अत्यंत आवश्यक है। बैठक का आयोजन पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के मार्गदर्शन में किया गया। इसकी अध्यक्षता एसडीएम नीरनिधि नंदेहा एवं एसडीओपी राम अवतार ध्रुव ने की। इस दौरान उत्तर प्रदेश के बभनी, मध्य प्रदेश के सिंगरौली, झारखंड के बंशीधर नगर तथा बलरामपुर जिले के सनावल, रघुनाथनगर, वाड्रफनगर एवं बलंगी क्षेत्र के थाना एवं चौकी प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल साझा की जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए चारों राज्यों के सीमावर्ती पुलिस अधिकारियों का एक साझा व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है, जिससे सूचना का त्वरित आदान-प्रदान हो सके और अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह की नियमित समन्वय बैठकें सीमावर्ती क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करेंगी तथा अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

हनीट्रैप का शिकार बना 54 वर्षीय शख्स, 6 महीने में वसूले 2.17 लाख रुपये, 2 महिलाएं गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी रायपुर से हनीट्रैप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बीरगांव गांधी नगर निवासी 54 वर्षीय दुलीचंद कुम्हार को दो महिलाओं ने दोस्ती के जाल में फंसाकर 2.17 लाख रुपये ऐंठ लिए। गुढ़ियारी थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

ऐसे फंसाया जाल में

पुलिस के मुताबिक पीड़ित दुलीचंद की पहचान अशोक नगर श्मशान घाट के पास रहने वाली मांगेश्वरी सिंह उर्फ जोगेश्वरी उर्फ रिंकी से थी। 6 जनवरी को रिंकी ने दुलीचंद को अपने घर बुलाया, जहां पहले से एक अन्य महिला भी मौजूद थी। आरोप है कि दोनों ने शराब में नशीला पदार्थ मिलाकर दुलीचंद को पिला दिया। बेहोश होने के बाद उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें खींच ली गईं। होश आने पर पीड़ित ने खुद को बिना कपड़ों के पाया और वहां से निकल गया।

घटना के 2 दिन बाद रिंकी ने दुलीचंद से संपर्क कर आपत्तिजनक तस्वीरें दिखाई। धमकी दी कि पैसे नहीं दिए तो फोटो पत्नी, बेटे, रिश्तेदारों और सोशल मीडिया पर वायरल कर देगी। सामाजिक बदनामी के डर से पीड़ित ने 8 जनवरी को 50 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद ब्लैकमेलिंग का सिलसिला चलता रहा। फरवरी में 48 हजार रुपये, मार्च में 45 हजार रुपये, अप्रैल-मई में 46-46 हजार रुपये तथा जून में 30 हजार रुपये। इस तरह 6 महीने में कुल 2.17 लाख रुपये वसूल लिए गए।

पुलिस की कार्रवाई

लगातार पैसों की मांग से परेशान होकर पीड़ित ने गुढ़ियारी थाने में शिकायत की। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है। बैंक ट्रांजेक्शन समेत अन्य सबूतों की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी बीएल चंद्राकर ने बताया कि ₹मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच तेजी से की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।₹

जीपीएम जिले की सहप्रभारी बनने पर रेनू ने जताया महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष का आभार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रदेश सह मीडिया प्रभारी महिला मोर्चा एवं पूर्व जिला मीडिया प्रभारी महिला मोर्चा कोरिया श्रीमती रेनू सिंह को गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले का सह -प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से पार्टी कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। यह नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से महिला मोर्चा द्वारा की गई है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के मिलने पर श्रीमती रेनू सिंह पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। सह प्रभारी नियुक्त होने पर श्रीमती रेनू सिंह ने पार्टी का आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने एक छोटे से महिला कार्यकर्ता को जो जिम्मेदारी दी है मैं उस पर पूरी तरह से खरा उतारने का प्रयास करूंगी। पार्टी की रीती नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना और संगठन को मजबूत बनाना ही हमारी पहला उद्देश्य है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभी अवस्थी का हृदय से धन्यवाद और आभार प्रकट करती हूं। उन्होंने आगे कहा कि संगठन ने उनको जो विश्वास जताया है वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है।

पहली बारिश में रेलवे अंडरब्रिज में भरा नाले का गंदा पानी, 5 दिन से बंद रास्ता, स्कूली बच्चों का सफर हुआ दूभर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। पहली बारिश में ही रायगढ़ का रेलवे अंडरब्रिज फिर जलभराव की चपेट में आ गया है। नाले का गंदा पानी भरने और चेंबर की जाली उखड़ने से सुरक्षा कारणों से अंडरब्रिज को पिछले 5 दिनों से दोनों ओर से बंद कर दिया गया है।

किन इलाकों पर असर

अंडरब्रिज बंद होने से मौदहापारा, बाजीराव पारा, मिट्ठुमुड़ा, सोनकर पारा समेत कई मोहल्लों के हजारों लोगों को रोजाना लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। रोजमर्रा के काम, बाजार और दफ्तर जाने वालों को भारी दिक्कत हो रही है।

स्कूली बच्चों की बढ़ी मुसीबत

सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर पड़ा है। जो बच्चे साइकिल या छोटे वाहनों से इसी रास्ते स्कूल जाते थे, उन्हें अब नया शनि मंदिर रोड स्थित चक्रपथ होकर जाना पड़ रहा है। कई पैदल यात्री जोखिम उठाकर लोहे के पाइप पार कर पुल से गुजर रहे हैं।

हर साल की समस्या

स्थानीय लोगों का कहना है कि हल्की बारिश होते ही अंडरब्रिज में पानी भर जाता है। नाले का गंदा पानी पुल के अंदर आ जाता है और चेंबर की जाली भी निकल आती है। इस बार भी पहली बारिश में ही यही हाल हुआ। फिलहाल नगर निगम द्वारा नाले और अंडरब्रिज की सफाई कराई जा रही है।

महापौर ने क्या कहा

नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान ने बताया कि ₹अंडरब्रिज के पास नाले को एक जगह मोड़े जाने से वहां कचरा जमा हो जाता है। बारिश में पानी का दबाव बढ़ने से ओवरफ्लो होकर पुल में पानी भर जाता है।₹ उन्होंने कहा कि सफाई के बाद व्यवस्था सामान्य होते ही रास्ता खोल दिया जाएगा। साथ ही नए अंडरब्रिज के निर्माण की प्रक्रिया भी जारी है।

रामगढ़ महोत्सव-सरगुजा के प्रागैतिहासिक अतीत से भारतीय सांस्कृतिक चेतना तक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। रामगढ़ महोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि सरगुजा के प्रागैतिहासिक अतीत और भारतीय सांस्कृतिक चेतना के बीच संवाद का सेतु है। यह विचार वरिष्ठ चिंतक राज नारायण द्विवेदी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ₹इतिहास केवल पत्थरों में नहीं, जनमानस की स्मृति में भी जीवित रहता है।

सरगुजाः प्रागैतिहास का जीवंत अध्याय

द्विवेदी ने बताया कि मानव सभ्यता का सबसे लंबा काल प्रागैतिहासिक था। तब लेखन-कला नहीं थी, इसलिए इतिहास पाषाण उपकरण, शैलचित्र, गुफाओं और जीवाश्मों से समझा जाता है। सरगुजा का भूभाग इस दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। यहां मिले पाषाणकालीन उपकरण और शैलाश्रय बताते हैं कि यह अंचल मानव की प्रारंभिक गतिविधियों का साक्षी रहा है। यहां इतिहास की पहली पंक्तियां कागज पर नहीं, पत्थरों पर लिखी गईं।

राम वनगमन और रामगढ़ का महत्व

प्रागैतिहासिक काल के बाद रामायण-महाभारत युग आता है। सरगुजा में कई स्थान भगवान श्रीराम के वनगमन की लोकपरंपराओं से जुड़े हैं। स्व. योगेश्वर पाण्डेय ने अपनी पुस्तक सरगुजा की पुरातात्विक स्मृतियाँ में लिखा है कि श्रीराम शहडोल के भरहुत से होते हुए सरगुजा पहुंचे थे। रामगढ़ इसी परंपरा से जुड़ा है।

रामगढ़ः पुरातत्व की बहुमूल्य धरोहर

सीताबेंगरा और जोगीमाड़ा गुफाएं भारतीय पुरातत्व की धरोहर हैं। जोगीमाड़ा से मिले ब्राह्मी अभिलेख मौर्यकालीन संस्कृति के प्रमाण हैं। कुछ विद्वान सीताबेंगरा को विश्व की प्रारंभिक रंगमंचीय संरचनाओं में मानते हैं। कई शोधकर्ता कालिदास के मेघदूतम् में वर्णित ₹रामगिरि₹ की पहचान वर्तमान रामगढ़ से करते हैं।

महोत्सव पर सुझावः शोध को मिले राष्ट्रीय स्वरूप

द्विवेदी ने कहा कि रामगढ़ महोत्सव अतीत-वर्तमान के बीच संवाद का मंच है। लेकिन इसकी सफलता बौद्धिक गंभीरता से मापी जाएगी। उनके दिए कुछ सुझाव इस प्रकार हैंः-

1. राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के शोधपत्रों का मूल्यांकन, संपादन और प्रकाशन हो।

2. इन्हें विश्वविद्यालयों और पुस्तकालयों तक पहुंचाया जाए।

3. पुरातत्व संस्थानों, इतिहासकारों और युवा शोधार्थियों को आमंत्रित कर आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप दिया जाए।

उन्होंने चेताया कि आज आधुनिक वैचारिक बहसों को प्रागैतिहास से जोड़ने का प्रयास होता है। जबकि प्रागैतिहासिक काल में लेखन-कला, ईसाई धर्म या इवैंजेलिकल आंदोलन का अस्तित्व नहीं था। ऐसे में उस काल के साक्ष्यों में इनका उल्लेख मिलना ऐतिहासिक रूप से संभव नहीं। आधुनिक धार्मिक आंदोलनों का अध्ययन उनके अपने ऐतिहासिक संदर्भों में होना चाहिए।

निष्कर्ष - मौन शिलाएं खुली पुस्तक हैं

सरगुजा का इतिहास बताता है कि सभ्यता का निर्माण संघर्ष, साधना और निरंतरता से होता है। पत्थर के औजारों से ब्राह्मी अभिलेखों तक की यात्रा भारतीय संस्कृति की अखंडता है। रामगढ़ महोत्सव तभी सार्थक होगा जब वह शोध, संरक्षण, प्रकाशन और जनजागरण का राष्ट्रीय अभियान बने।

रामगढ़ की शिलाएं मौन हैं, लेकिन उनका मौन इतिहास को समझने वालों के लिए खुली पुस्तक है।

सम्पादकीय

छात्रों पर नहीं हो बेवजह का दबाव

आज के प्रतियोगी जमाने में छात्रों पर अनावश्यक दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में ज्ञान बढ़ाने के लिए तो अतिरिक्त भाषा ठीक है, लेकिन इसे बेवजह दबाव के रूप में लिया जाना किसी भी रूप में ठीक नहीं होगा। एक तरह से देखा जाए तो त्रिभाषा को लेकर सरकार का फैसला ठीक है। इससे बच्चों पर दबाव कम होगा और छात्र अपनी मर्जी के मुताबिक तीसरी भाषा को चुन पाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत सीबीएसई द्वारा तीन-भाषा नीति को लेकर जारी नई गाइडलाइन ने लाखों छात्रों और अभिभावकों को बड़ी राहत दी है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान 10वीं के छात्रों के साथ-साथ अभी 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे विद्यार्थियों को 10वीं बोर्ड में तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। हालांकि सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि 2026-27 में कक्षा छह में प्रवेश लेने वाले नए बैचों पर तीन-भाषा नीति पूरी तरह लागू होगी। यह निर्णय इसलिए उचित माना जा सकता है, क्योंकि इन छात्रों के पास नई व्यवस्था के अनुसार पढ़ने के लिए पर्याप्त समय होगा। साथ ही स्कूल स्तर पर तीसरी भाषा के मूल्यांकन और आवश्यक छूट का प्रावधान यह संकेत देता है कि बोर्ड चरणबद्ध तरीके से बदलाव लागू करना चाहता है। शिक्षा सुधार में यही संतुलन सबसे अधिक आवश्यक होता है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिक्षा सुधार का उद्देश्य छात्रों की क्षमता को बढ़ाना होना चाहिए, न कि उन पर ऐसा अतिरिक्त बोझ डालना, जिससे पढ़ाई तनाव का कारण बन जाए। आज का छात्र पहले ही कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। बोर्ड परीक्षाएं, जेईई, नीट, सीयूईटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, कोचिंग का बढ़ता चलन और करियर की अनिश्चितता उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे समय में यदि अचानक नई भाषा को बोर्ड परीक्षा के साथ जोड़ दिया जाता, तो यह लाखों छात्रों के लिए अतिरिक्त तनाव का कारण बन सकता है। इसलिए सीबीएसई ने संक्रमण काल के छात्रों को राहत देकर व्यावहारिक और संवेदनशील निर्णय लिया है। अब सरकार को जेन जी विशेषकर स्कूली छात्रों पर फोकस करने की जरूरत है, क्योंकि यह वर्ग हर मामले में सरकार से 100 प्रतिशत डिलीवरी की उम्मीद करता है। कम्प्यूटर युग में पैदा हुए इस वर्ग को तकनीक से भी कोई दिक्कत नहीं है और इसे अपनाने के लिए वह हमेशा से तैयार है। सरकार को भी चाहिए कि वह परीक्षाओं में तकनीक का अधिक से अधिक प्रयोग करे और परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखे। इसमें तकनीक का अहम योगदान हो सकता है और आज का युवा इससे डरता भी नहीं है। सरकार को यह भी समझना होगा कि आज का छात्र केवल डिग्री नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षा और स्पष्ट करियर अवसर चाहता है। यदि नई शिक्षा नीति इन तीनों अपेक्षाओं को पूरा करती है, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य सफल माना जाएगा। शिक्षा में सुधार का अर्थ केवल पाठ्यक्रम बदलना नहीं, बल्कि छात्रों के आत्मविश्वास और सीखने की क्षमता को भी हर तरह से मजबूत करना होता है। भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं होती, बल्कि संस्कृति और पहचान का आधार भी मानी जाती है। इसलिए भाषा नीति को किसी भी बोझ के बजाय अवसर के रूप में लागू किया जाना चाहिए। यदि सरकार और शिक्षा बोर्ड पर्याप्त संसाधनों, प्रशिक्षित शिक्षकों और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ इस नीति को आगे बढ़ाते हैं, तो यह भारतीय भाषाओं को मजबूत करने के साथ-साथ छात्रों के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

अल नीनो
राज कुमार सिन्हा

भारत के भविष्य पर मंडराता संकट

> साल के आखरी महीनों में एक अत्यधिक शक्तिशाली अल नीनो उभरने की पूरी आशंका है। वैज्ञानिकों ने भारत पर पड़ने वाले इस संभावित अल नीनो के प्रभाव को चार प्रमुख तिमाहियों में विभाजित किया है, जो देश के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने पर असर डालेगा। पहला जून से सितंबर 2026 में मॉनसून पर संकट और बुवाई में देरी, दूसरा अक्टूबर से दिसंबर तक खरीफ फसलों को नुकसान और बढ़ती महंगाई और तीसरा जनवरी से मार्च 2027 तक गर्म सर्दियां और रबी फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल है। प्रशांत महासागर में विकसित होने वाली जलवायु घटना अल नीनो केवल भारत की कृषि, जल, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता पर गहरा प्रभाव डालने वाली वैश्विक जलवायु प्रक्रिया है।

ताजा पूर्वानुमानों के अनुसार, 2026 के आखरी महीनों में एक अत्यधिक शक्तिशाली अल नीनो उभरने की पूरी आशंका है। वैज्ञानिकों ने भारत पर पड़ने वाले इस संभावित अल नीनो के प्रभाव को चार प्रमुख तिमाहियों में विभाजित किया है, जो देश के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने पर असर डालेगा। पहला जून से सितंबर 2026 में मॉनसून पर संकट और बुवाई में देरी, दूसरा अक्टूबर से दिसंबर तक खरीफ फसलों को नुकसान और बढ़ती महंगाई और तीसरा जनवरी से मार्च 2027 तक गर्म सर्दियां और रबी फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल है। प्रशांत महासागर में विकसित होने वाली जलवायु घटना अल नीनो केवल एक मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि भारत की कृषि, जल, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता पर गहरा प्रभाव डालने वाली वैश्विक जलवायु प्रक्रिया है।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो की तीव्रता और अनिश्चितता दोनों बढ़ रही हैं, जिससे भारत जैसे मानसून-निर्भर देश के लिए इसके खतरे और गंभीर हो गए हैं। सामान्य परिस्थितियों में प्रशांत महासागर की व्यापारिक पवनें (ट्रेड विन्डस) गर्म जल को पश्चिम की ओर एशिया और ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं। जब ये पवनें कमजोर पड़ जाती हैं, तब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का समुद्री तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसी स्थिति को अल नीनो कहा जाता है। यह घटना वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण को बदल देती है और भारतीय मानसून को कमजोर कर सकती है। भारत की लगभग आधी कृषि भूमि आज भी वर्षा आधारित है। देश के जलाशय, भूजल पुनर्भरण, बिजली उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दक्षिण-पश्चिम मानसून पर निर्भर हैं। अल नीनो सीधे मानसून को प्रभावित करता है, इसलिए इसका प्रभाव बहुआयामी होता है। अल नीनो का सबसे बड़ा प्रभाव भारतीय मानसून पर पड़ता है। विगत कई वर्षों के मानसून अध्ययन से पता चलता है कि भारत में बड़े सूखे अल नीनो आए हैं। मानसून कमजोर होने पर वर्षा की मात्रा घटती है और उसका वितरण भी असमान हो जाता है। देर से मानसून आगमन लंबे "ड्राई स्पेल" हैं और अचानक अत्यधिक वर्षा की घटनाएं सूखा और बाढ़ दोनों का जोखिम बढाता है, अर्थात जलवायु परिवर्तन के कारण अब "कम बारिश" के साथ "अत्यधिक बारिश" की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यानी मानसून कमजोर हो सकता है, लेकिन कुछ दिनों में अत्यधिक बारिश से विनाशकारी बाढ़ भी आ सकती है। पर्यावरण क्षेत्र में काम करने वाले इशांत अग्रवाल का कहना है कि आमतौर पर मानसून के इस तरह अचानक रूठ जाने या थम जाने का सारा दोष 'ग्लोबल वॉर्मिंग', अल-नीनो या समुद्र के गर्म होने के सिर मढ़ दिया जाता है। भारत के बेहतरीन वैज्ञानिकों की लगातार आ रही रिसर्च ने एक ऐसा कड़वा सच सामने रखा है, जिसके जिम्मेदार कहीं न कहीं हम खुद हैं। विज्ञान कहता है कि मानसून के इस तरह कमजोर होने की एक बहुत बड़ी वजह हमारे ठीक सामने है। बढ़ते शहरीकरण, वनों की कटाई, आर्द्रभूमियों के विनाश और एकल फसल आधारित कृषि पद्धतियों ने स्थानीय जल चक्र को कमजोर किया है। इससे भूमि की नमी घट रही है और

मानसून के पैटर्न में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। भूमि उपयोग में परिवर्तन और वनस्पति आवरण में कमी भी मानसून की अनिश्चितता बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण कारक बनते जा रहे हैं। भारत को अल नीनो के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। इसमें वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जलग्रहण क्षेत्र विकास, फसल विविधीकरण, सूखा-रोधी बीजों को बढ़ावा, रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करना, प्राकृतिक एवं जलवायु-अनुकूल कृषि को प्रोत्साहित करना, स्थानीय जल निकायों का संरक्षण और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली को मजबूत करना शामिल है। साथ ही शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाकर और हीट एक्शन प्लान लागू करके गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सकता है। लगभग 315 जिलों में वर्षा सामान्य से कम रहने की संभावना है और इन जिलों में सिंचाई की व्यवस्था बहुत सीमित है। इनमें से अधिकांश जिले मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के हैं। भारत सरकार ने किसानों के हित और खेती को सुरक्षित रखने के लिए जल प्रबंधन, बीज की उपलब्धता, और वैकल्पिक फसलों पर रणनीति तैयार की गई है। 315 संवेदनशील जिलों को चिन्हित कर विशेष रूप से खरीफ फसलों जैसे धान और मक्का की सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। कम बारिश होने की स्थिति में किसानों को कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों और सूखे के प्रति सहनशील बीजों की आपूर्ति की जा रही है। राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई गई हैं, जो बारिश, जल स्तर और बीज-खाद की आपूर्ति पर लगातार नजर रख रही हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि अभी भी केंद्रीय भूमिका निभाती है। कमजोर मानसून का सबसे बड़ा असर किसानों पर पड़ता है। धान, गेहूं, दाल, गन्ना और तिलहन उत्पादन में गिरावट होती है, खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित और सिंचाई लागत में वृद्धि होती है। हाल के वर्षों में सरकार को चीनी निर्यात रोकने जैसे कदम उठाने पड़े क्योंकि कमजोर मानसून से गन्ना उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ी है। जल संकट और भूजल पर दबाव कम वर्षा का सीधा असर नदियों, बांधों और भूजल स्तर पर पड़ता है। भारत में महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बुंदेलखंड और तेलंगाना पहले से ही भूजल दोहन के गंभीर संकट से जूझ रहा है। अल नीनो इस संकट को और गहरा कर सकता है। अल नीनो वाले वर्षों में वैश्विक तापमान सामान्य से अधिक बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में बनने वाले अल नीनो वैश्विक तापमान को रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा सकता है। इस कारण लंबी और तीव्र हीटवेव, शहरी "हीट आइलैंड" प्रभाव,श्रमिकों की कार्यक्षमता में कमी, लू से मौतें होंगी और गरीब और असंगठित क्षेत्र के मजदूर सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इससे ग्रामीणों का पलायन, आय असमानता और सामाजिक असुरक्षा बढ़ने का खतरा पैदा होता है। कम जल उपलब्धता और बढ़ती गर्मी ऊर्जा क्षेत्र को भी प्रभावित करती है। कमजोर मानसून का असर जीडीपी वृद्धि पर भी पड़ सकता है क्योंकि भारत की बड़ी आबादी कृषि आधारित है। अल नीनो समुद्री तापमान को बढ़ाकर समुद्री जैव विविधता को प्रभावित करेगा। प्रशांत महासागर में पनप रहा अल नीनो भारत के लिए केवल मौसम संबंधी घटना नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, जल संकट, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा राष्ट्रीय खतरा है। जलवायु परिवर्तन ने इस खतरे को और जटिल बना दिया है। यदि भारत ने समय रहते जल, कृषि और ऊर्जा नीतियों में व्यापक परिवर्तन नहीं किए, तो भविष्य में अल नीनो जैसी घटनाएं करोड़ों लोगों की आजीविका और जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सजगता
डॉ. मोनिका शर्मा

सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की एक कुत्सित कोशिश

हाल में मुंबई में समाज का सौहार्द्र बिगाड़ने के इरादे से की गई भयावह साजिश का समय रहते खुलासा होने से बहुत बड़ी त्रासदी टल गई। आमजन की सतर्कता और पुलिस की सजगता से हजारों लोगों का जीवन बच गया। साथ ही देश में अस्थिरता और अविश्वास फैलाने का कुत्सित इरादा भी नाकाम हुआ। मुंबई पुलिस द्वारा मुहर्रम जुलूस के दौरान जहरीले कैप्सूल बांटने की साजिश का पर्दाफाश करते हुए एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया। आरोपी 'दर्द से राहत' के नाम पर लोगों को जिंक फॉस्फाइड से भरे कैप्सूल बांट रहा था। अब तक उससे 14900 कैप्सूल जब्त किए जा चुके हैं। हर कैप्सूल में एक-एक ग्राम जहर डाला गया था यानि आरोपी के पास मिले कैप्सूल्स में चूहे मारने वाला जहर भरा था। ज्ञात हो कि मुंबई के जेजे और भायखला क्षेत्र में चल रहे जुलूस के दौरान इसी जहर से बने कैप्सूल्स कई लोगों को दिए गए थे। कैप्सूल खाने के बाद पेट दर्द और उल्टी होने से लोगों को कुछ शक हुआ तो पुलिस में शिकायत की गई। उसके बाद पुणे के रहने वाले आरोपी फैयाज प्रेम को गिरफ्तार किया गया। समझना कठिन नहीं कि किस तरह व्यापक पैमाने पर मुंबई महानगर को दहलाने की साजिश रची गई थी। लोगों का जीवन छीनने वाला यह षड्यंत्र सीधे-सीधे सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कुत्सित कोशिश भी कहा जा सकता है। हजारों की संख्या में बनाए गए इन कैप्सूल्स को अगर लोग खा लेते तो कितने ही परिवार उजड़ जाते। जुलूस के बीच इतनी बड़ी संख्या में लोगों तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना भी मुश्किल ही होता। इस जहरीली गैस से फेफड़े, हृदय, लीवर और मस्तिष्क बहुत अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। यह गैस कोशिकाओं को ऑक्सीजन लेने से रोकती है। भीड़भाड़ में लोगों को ऐसी स्वास्थ्य समस्याएं होतीं तो अस्पताल पहुंचने में देरी होने से लोगों का जीवन बचाना वाकई आसान नहीं होता। यूं भी जिंक फॉस्फाइड के जहर का कोई एंटीडोट उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इस मामले में एक संभावित बड़ी साजिश स्पष्ट नजर आती है। आरोपी ने अपना अपराध स्वीकारते हुए कहा भी है कि मुझे कम से कम 15 हजार लोगों को मारना था। समझना मुश्किल नहीं कि बिना किसी षड्यंत्र के इरादे के कोई व्यक्ति यूं कैप्सूल्स क्यों बांटेगा? पुणे शहर में पेंट का कारोबार करने वाले आरोपी से पूछताछ में पता चला कि वह मुहर्रम जुलूस को निशाना बनाना चाहता था। ऐसे में पिछले साल ईरान और इराक यात्राओं पर गए इस आरोपी के बारे में और जानकारियां सामने आना आवश्यक हो गया है, क्योंकि वह किसी छोटी-मोटी साजिश का हिस्सा नहीं था। आरोपी के पास से 50 किलोग्राम जिंक फास्फाइड बरामद होना बहुत सी चिंतनीय स्थितियों और उसके खतरनाक इरादों की ओर इशारा करता है। प्रश्न यह भी है कि हमारे देश में कीटनाशक की श्रेणी में रखे गए जिंक फॉस्फाइड की इतनी बड़ी मात्रा उसे मिली कैसे? गौरतलब है कि भारत में इसकी बिक्री और उपयोग पर कीटनाशक अधिनियम, 1968 और उससे जुड़े नियम लागू होते हैं। यही वजह है कि इस जहरीले रसायन का बड़ी मात्रा में भंडारण नहीं किया जा सकता। चिंतनीय है कि नकारात्मक मानसिकता के लोगों के लिए त्योहार सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने का मुफीद अवसर बन गए हैं। इतना ही नहीं, ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले अपने इरादों में कामयाब हो जाएं तो हर स्तर पर आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू हो जाता है। किसी भी समुदाय के उत्सवों पर बड़ी संख्या में एकत्रित हुए लोगों के साथ हुई ऐसी जानलेवा साजिश से अविश्वास की खाई और गहरी होती है। देश और समाज खांचों में बंटने लगता है। हालांकि इन अवसरों पर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क रहती हैं पर यूं की गई चालबाजी को पकड़ पाना वाकई मुश्किल होता है। विचारणीय है कि जिस कीटनाशक को बिना लाइसेन्स बेचने पर जेल और जुर्माने का प्राविधान है, उसे आमजन में बांटने का दुष्चक्र कोई अकेला इंसान नहीं रच सकता। यही इस घटना का सबसे चिंतनीय पक्ष भी है। ऐसे में आवश्यक है कि इस साजिश की जड़ों तक पहुंचा जाए। न केवल त्वरित जांच बल्कि दोषियों को सजा मिलने में भी देरी ना हो। साथ ही हर संप्रदाय, हर वर्ग के लोग भी जागरूक बनें। बहकावे में आने के बजाय उस व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस-प्रशासन तक पहुंचाएं। कुछ लोगों द्वारा तनाव, हिंसा और अमानवीय सोच के चलते बनाए जा रहे असुरक्षित परिवेश में व्यक्तिगत सुरक्षा हो या सामाजिक सद्भाव, जनता की साझी कोशिशें और सजगता बेहद जरूरी हैं। नागरिकों की सतर्कता से टली यह अनहोनी देश के हर हिस्से में बसे लोगों के लिए जागरूकता से जुड़ा अहम सबक लिए है ।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

एकनिष्ठ भक्ति

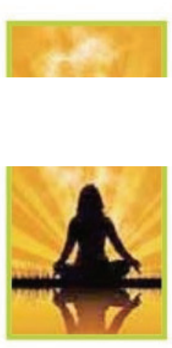

संकलित
दर्शन

अनेक महापुरुष हैं, अनेक देवी-देवता हैं, अनेक मार्ग हैं, किंतु एकनिष्ठता आवश्यक है। इसी कारण इष्ट देवता की अवधारणा है। घर की बहू सास, ससुर, जेठ, जेठानी सबका आदर सम्मान करती है, किसी की अवज्ञा या उपेक्षा नहीं करती। सबकी सेवा करती है, किंतु अपने पति को वह सबसे अधिक चाहती है। इसी तरह तुम भी अपने इष्ट देवता पर दृढ़ एकनिष्ठ भक्ति रखो, जबकि अन्य देवी-देवताओं का सम्मान करो, सबके प्रति श्रद्धा रखो। सभी देव एक ही परमेश्वर के रूप हैं। किंतु किसी एक के प्रति एकनिष्ठ रहो। चौसर के खेल में गोटी सब खानों का चक्कर लगाए बिना लक्ष्य पर नहीं पहुंचती। यदि दो गोटियां जोड़ी बांधकर इकट्ठी चलें तो उन्हें कोई काट नहीं सकता, नहीं तो अकेली गोटी लक्ष्य के पास पहुंचकर पकते-पकते भी कट जा सकती है। इसी प्रकार साधना के मार्ग पर भी यदि गुरु अथवा इष्ट के साथ युक्त होकर आगे बढ़ा जाए तो बाधा विघ्न का भय नहीं रहता, यात्रा निर्विघ्न रूप से सफल हो सकती है। एक बार किसी यात्री ने एक आदमी से कलकत्ता (अब कोलकाता) जाने का रास्ता पूछा। उस आदमी ने कहा, इस रास्ते से चले जाओ। थोड़ी दूर चलकर उसने और एक जन से रास्ता पूछा। उसने दूसरा रास्ता बताया। इस तरह वह थोड़ा सा आगे बढ़कर किसी से रास्ता पूछता तो पहले वाले का रास्ता छोड़ उस पर चल देता। ऐसा करते हुए वह रास्तों पर ही भटकता रहा, कलकत्ता नहीं पहुंच पाया। उसे किसी ऐसे व्यक्ति से रास्ता पूछना चाहिए था, जिस पर विश्वास हो कि वह सही मार्ग जानता है।

मृत्यु टाले नहीं टलती

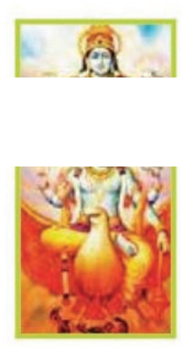

संकलित
प्रेरणा

भगवान विष्णु गरुड़ पर बैठ कर कैलाश पर्वत पर गए। द्वार पर गरुड़ को छोड़ कर खुद शिव से मिलने अंदर चले गए। तब कैलाश की अपूर्व प्राकृतिक शोभा को देख कर गरुड़ मंत्रमुग्ध थे कि तभी उनकी नजर एक खूबसूरत छोटी सी चिड़िया पर पड़ी। चिड़िया कुछ इतनी सुंदर थी कि गरुड़ के सारे विचार उसकी तरफ आकर्षित होने लगे। उसी समय कैलाश पर यम देव पधारे और अंदर जाने से पहले उन्होंने उस छोटे से पक्षी को आश्चर्य की दृष्टि से देखा। गरुड़ समझ गए उस चिड़िया का अंत निकट है और यमदेव कैलाश से निकलते ही उसे अपने साथ यमलोक ले जाएंगे। गरूड़ को दया आ गई। इतनी छोटी और सुंदर चिड़िया को मरता हुआ नहीं देख सकते थे। उसे अपने पंजों में दबाया और कैलाश से हजारो कोस दूर एक जंगल में एक चट्टान के ऊपर छोड़ दिया, और खुद वापिस कैलाश पर आ गए। आखिर जब यम बाहर आए तो गरुड़ ने पूछ ही लिया कि उन्होंने उस चिड़िया को इतनी आश्चर्य भरी नजर से क्यों देखा था। यम देव बोले- गरुड़ जब मैंने उस चिड़िया को देखा तो मुझे ज्ञात हुआ कि वो चिड़िया कुछ ही पल बाद यहां से हजारों कोस दूर एक नाग द्वारा खा ली जाएगी। मैं सोच रहा था कि वो इतनी जल्दी इतनी दूर कैसे जाएगी, पर अब जब वो यहां नहीं है तो निश्चित ही वो मर चुकी होगी। गरुड़ समझ गए मृत्यु टाले नहीं टलती चाहे कितनी भी चतुराई की जाए।

सटाका

आज की पाती

'अग्नि-जाल' में फंसते शहरी भवन

भारत आज विश्व के सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाले देशों में शामिल है। आर्थिक विकास, औद्योगीकरण, सेवा क्षेत्र के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर निरंतर हो रहे पलायन ने भारतीय शहरों का स्वरूप तेजी से बदला है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक बहुमंजिला इमारतें, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, कोचिंग संस्थान, होटल, अस्पताल और मिश्रित-उपयोग वाले भवन विकास के नए प्रतीक बनकर उभरे हैं। किंतु इस विकास के पीछे एक गंभीर सच्चाई भी छिपी है- शहरी नियोजन की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और प्रशासनिक शिथिलता। परिणामस्वरूप आज अनेक शहरी भवन आर्थिक प्रगति के केंद्र होने के साथ-साथ संभावित 'अग्नि-जाल' भी बनते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में हुई अग्नि-दुर्घटनाओं ने इस संकट की भयावहता को उजागर किया है। *-रमेश मलिक, हिसार*

ट्रेंड

भारत की स्थिरता

अपनी संरचनात्मक कमजोरियों के बावजूद, भारत ने वैश्विक स्तर पर मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में भी जबरदस्त स्थिरता दिखाई है। यह पिछले दशक में मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता बनाए रखने और साथ ही नीति-निर्माण को संवेदनशील और फुर्तीला बनाने से हासिल हुआ है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

हमने जो सपना देखा था, वह आज हर धड़कन में बसता है। एक नया भारत बनाने का संकल्प हमारे दिलों में है। अटल जी के इसी संकल्प के तहत, आज हम 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' के ज़रिए एक नए भारत को आकार लेते हुए देख रहे हैं।
- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

तरुण चुघ को बधाई

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, तरुण चुघ को राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। आपका संगठनात्मक अनुभव और राष्ट्र-हित के प्रति समर्पण अब संसदीय कर्तव्यों के माध्यम से देश सेवा को नई दिशा प्रदान करेगा।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

विकास को प्राथमिकता

हिमाचल का कोई भी इलाका विकास से अछूता नहीं रहना चाहिए; यही हमारी प्राथमिकता है। जिन इलाकों को दुर्गम बताकर बरसों तक नजरअंदाज किया गया, हमारी सरकार अब उन्हें प्राथमिकता दे रही है और उनका विकास कर रही है।
-सुखविंदर सिंह सुखु, सीएम, हिमाचल प्रदेश

करंट अफेयर

यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी आखिर क्या है इसकी वजह

यूरोप में चिलचिलाती धूप के कारण तापमान के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं और पूरा महाद्वीप भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। मंगलवार और बुधवार को फ्रांस में इतिहास के सबसे गर्म दिन दर्ज किये गए। देश के पश्चिमी हिस्सों में अधिकतम तापमान 39 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया। बुधवार ब्रिटेन के इतिहास में जून का सबसे गर्म दिन रहा, जहां तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, स्पेन, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और स्विट्जरलैंड में भी कई स्थानों पर जून के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं। और यह सिलसिला अभी थमा नहीं है। इस बीच, लोगों की जान भी गई है। एक अध्ययन में, जून 2025 में दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड में पड़ी भीषण गर्मी का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि यदि मानव गतिविधियों से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का प्रभाव न होता, तो ऐसी भीषण गर्मी लगभग 50 वर्षों में केवल एक बार आती। लेकिन मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापमान में हुई 1.3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि ऐसी भीषण गर्मी की स्थिति अब 50 वर्ष में एक बार नहीं, बल्कि कम से कम हर पांच वर्ष में एक बार देखने को मिल रही है।

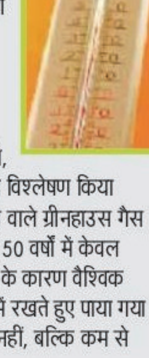

ऑफ बीट

क्या युवाओं में कैंसर के लिए रसायन जिम्मेदार हैं

पहले कैंसर को आमतौर पर बुज़ुर्गों की बीमारी माना जाता था लेकिन अब 50 साल से कम उम्र के लोगों में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जो चिंताजनक है।

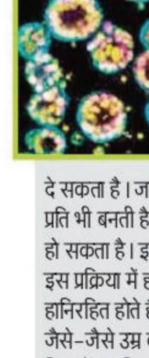

आपके शरीर की प्रत्येक कोशिका में आपके डीएनए की एक प्रति होती है - जो उस कोशिका को ठीक से कार्य करने का निर्देश देती है। हालांकि, डीएनए में ऐसे तरीकों से म्युटेशन हो सकता है जिससे वह कोशिका अपना वह कार्य करना बंद कर देती है जो उसे करना होता है। कुछ म्युटेशन कोशिका को अनियंत्रित रूप से बढ़ने में सक्षम बनाते हैं। कुछ म्युटेशन इसे मरने से बचाते हैं। और कुछ इसे शरीर के अन्य भागों में फैलने में मदद करते हैं जहां यह नहीं होना चाहिए। डीएनए में अधिक मात्रा में म्युटेशन कैंसर को जन्म दे सकता है। जब भी शरीर में नई कोशिका बनती है, तो डीएनए की एक नई प्रति भी बनती है। कभी-कभी संयोगवश गलतियां हो जाती हैं, जिससे म्युटेशन हो सकता है। इसे आप ऐसे समझें जैसे एक फोटोकॉपी की फोटोकॉपी बनाना। इस प्रक्रिया में हर प्रति दूसरे से थोड़ी भिन्न होती है। ज्यादातर डीएनए म्युटेशन हानिरहित होते हैं। लेकिन शरीर में हर दिन अरबों कोशिकाएं बनती हैं। इसलिए जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर में डीएनए की प्रतियों की संख्या बढ़ती जाती है, जिससे गलतियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

मंत्री नेताम ने किया कृषि महाविद्यालय कुरूद का भ्रमण, आधुनिक शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाओं का लिया जायजा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने आज बस्तर प्रवास के दौरान कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कुरूद का भ्रमण कर महाविद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान कार्यों तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आधुनिक कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान को राज्य के कृषि विकास की मजबूत आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों को नवाचार और तकनीक आधारित कृषि की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय पहुंचने पर अधिष्ठाता डॉ. नवनीत राणा ने मंत्री नेताम का स्वागत किया तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। मंत्री नेताम ने महाविद्यालय की आधुनिक प्रयोगशालाओं, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल

लाइब्रेरी और कॉम्पिटिटिव फोरम का निरीक्षण किया तथा छात्र-छात्राओं से संवाद कर महाविद्यालय एवं छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें अध्ययन एवं आवास से जुड़ी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। भ्रमण के दौरान मंत्री नेताम ने कृषि संग्रहालय में छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार कृषि मॉडल, प्रदर्शनी और मशरूम प्रसंस्कृत उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों की नवाचारी सोच और महाविद्यालय में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की तथा छात्र-छात्राओं के साथ कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कृषि स्नातक पाठ्यक्रम में किए गए नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की। भ्रमण कार्यक्रम में धमतरी कलेक्टर अविनाश मिश्रा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुरूद, महाविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

एनटीपीसी प्रबंधन ने महुआबारी में चस्पा किया नोटिस: 7 दिन में जवाब का निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद द्वारा अधिग्रहित भूमि पर बने कथित अवैध निमार्णों के विरुद्ध कार्रवाई एक बार फिर तेज हो गई है। मंगलवार को सिरसोती गावँ के महुआबारी में कई मकानों पर एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से नोटिस चस्पा कर संबंधित लोगों को नोटिस प्राप्त होने की तिथि से सात दिनों के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। साथ ही नोटिस में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।नोटिस चस्पा होने के बाद महुआबारी में लोगों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल है। मौके पर पहुंचे मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में एनटीपीसी के लॉ अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि फिलहाल संबंधित लोगों से सात दिनों के भीतर अपना लिखित जवाब मांगा गया है। उन्होंने कहा कि जवाब मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, जब उनसे प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और वैकल्पिक आवास की व्यवस्था के संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने इस विषय पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। इससे प्रभावित परिवारों की चिंताएं और बढ़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे किसी भी प्रकार की कानूनी प्रक्रिया का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन बिना उचित पुनर्वास और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराए अपने आशियाने छोड़ना उनके लिए संभव नहीं है। उनका कहना है कि दशकों से रह रहे परिवारों के भविष्य को सुरक्षित किए बिना बेदखली की कार्रवाई मानवीय दृष्टि से उचित नहीं होगी। प्रभावित परिवारों ने बताया कि वे पहले भी एनटीपीसी प्रबंधन के सामने अपना पक्ष रख चुके हैं। इसके अलावा जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी से भी हस्तक्षेप कर न्यायसंगत समाधान की मांग की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है।

फर्जी ई-चालान लिंक से सावधान, सिर्फ सरकारी वेबसाइट पर ही करें भुगतान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी ई-चालान के एसएमएस, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को ठगने की घटनाएं सामने आने पर जिला परिवहन अधिकारी जशपुर ने जन जागरूकता हेतु अपील की गई है। वर्तमान में साइबर अपराधियों द्वारा आम नागरिकों को भ्रमित करने के उद्देश्य से फर्जी ई-चालान के भ्रामक लिंक भेजे जा रहे हैं। इन लिंक के माध्यम से नागरिकों की बैंकिंग एवं अन्य गोपनीय जानकारी प्राप्त कर साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। भारत सरकार के आधिकारिक ई-चालान पोर्टल पर भी नागरिकों को ऐसे फर्जी पोर्टलों एवं संदेशों से सावधान रहने की चेतावनी प्रदर्शित की गई है। आमजन को साइबर ठगी से सुरक्षित रखने एवं जागरूक करने के उद्देश्य से आधिकारिक ई-चालान पोर्टल अथवा संबंधित राज्य पुलिस/परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट/मोबाइल ऐप के माध्यम से ही भुगतान करने की अपील की गई है। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी गई है।

1 जुलाई को जिले में 109.7 मिमी औसत वर्षा

जशपुरनगर। जिले में 01 जून से 01 जुलाई तक 919.0 मिमी औसत वर्षा हो चुकी है। जिले में बीते 10 वर्षों की तुलना में 01 जुलाई तक सामान्य औसत वर्षा 1843.1 मिमी हुई है। बीते दिवस जिले में 109.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से अब तक तहसीलवार वर्षा इस प्रकार हैरू तहसील जशपुर में 98.6 मिमी, मनोरा में 164.3 मिमी, कुनकुरी में 106.5 मिमी, दुलदुला में 55.7 मिमी, फरसाबहार में 48.6 मिमी, बगीचा में 67.1 मिमी, कांसाबेल में 76.0 मिमी, पत्थलगांव में 72.7 मिमी, सन्ना में 186.5 मिमी एवं बागबहार में 43.0 मिमी वर्षा हो चुकी है।

कलेक्टर ने लोहे के पिंजरे वाले ट्रैक्टर को सड़क पर किया बैन, दिखे तो होगी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क सुरक्षा एवं सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खेतों में उपयोग के लिए लगाए जाने वाले दोहरे लोहे के पिंजरे (आयरन केज व्हील) वाले ट्रैक्टरों का सामान्य सड़कों, सीमेंट सड़कों तथा राष्ट्रीय राजमार्गों पर संचालन तत्काल प्रभाव से रोका जाए। कलेक्टर ने कहा कि आयरन केज व्हील केवल कृषि कार्यों के लिए बनाए गए हैं। इनका सार्वजनिक सड़कों पर उपयोग मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है। ऐसे ट्रैक्टरों के सड़क पर चलने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है तथा सड़कों को भी गंभीर क्षति पहुंचती है। इससे दुघर्टना की भी आशंका रहती है। बैठक में अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जिले के कुछ क्षेत्रों में रबर टायरों के स्थान पर दोहरे लोहे के पिंजरे लगे ट्रैक्टरों का उपयोग सड़कों पर किया जा रहा है। इससे सड़कों की सतह तेजी से क्षतिग्रस्त हो रही है। साथ ही इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत शपथ-पत्र का भी उल्लंघन हो रहा है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि खेतों में उपयोग के लिए लगाए गए लोहे के पिंजरे वाले पहियों को सार्वजनिक सड़क पर आने से पहले हटाकर रबर के टायर लगाना अनिवार्य है। बिना रबर टायर के ऐसे ट्रैक्टरों का किसी भी सार्वजनिक सड़क पर संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को किसानों एवं ट्रैक्टर संचालकों के बीच व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें मोटर वाहन अधिनियम एवं सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी जा सके। साथ ही कहा कि निदेर्शों का उल्लंघन करने वाले ट्रैक्टर संचालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई के साथ अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी। कलेक्टर ने जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर बिना रबर टायर के दोहरे लोहे के पिंजरे (आयरन केज व्हील) वाले ट्रैक्टरों के सार्वजनिक सड़कों पर संचालन पर प्रभावी रोक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्राकृतिक आपदा जनहानि मामले में प्रभावित परिजनों को 04 लाख की राशि स्वीकृत

जशपुरनगर। अपर कलेक्टर जशपुर ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन को राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6 क्रमांक 4 के तहत 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृत दी है। कांसाबेल तहसील अंतर्गत ग्राम बांसबहार निवासी स्व. संदीप साय पैकरा का भटकल कर्नाटक में मछली मारने के दौरान समुद्र में डूबने से 27 मार्च 2025 को मृत्यु हो गई। मृतक के निकटतम वैध वारिस उनकी पत्नी सविता पैकरा हेतु 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

एफएसएसएआई का शिविर, 67 आवेदन में से 15 का तत्काल पंजीयन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा 30 जून को जिला पंचायत सभागार में एफएसएसएआई अनुज्ञप्ति-पंजीयन शिविर लगाया गया। इसमें किराना, होटल, ढाबा, डेयरी, फल-सब्जी विक्रेता, मेडिकल शॉप, मटन-चिकन दुकान, राइस मिल, कैटर्स व सड़क किनारे ठेला लगाने वाले कारोबारी शामिल हुए। शिविर में नई अनुज्ञप्ति, बदलाव व नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा रही। डेढ़ करोड़ तक कारोबार पर पंजीयन शुल्क 100 रुपये और डेढ़ से पचास करोड़ तक पर अनुज्ञप्ति शुल्क 5000 रुपये वार्षिक है। सड़क किनारे खाद्य विक्रेताओं को पांच वर्ष का पंजीयन निःशुल्क दिया जा रहा है। आवेदन ँ३३स्र२://ाङ्गरूङ्ग२.ा२२ॅङ्गप्५.ल्ल पर भी किए जा सकते हैं। खाद्य सुरक्षा मित्र ने फॉर्म भरने, प्रिंट व स्कैन में मदद की। कुल 67 आवेदन मिले, 15 अनुज्ञप्ति-पंजीयन मौके पर जारी किए गए। शेष आवेदन तीन-चार दिन में जारी होंगे। विभाग आगे सभी विकास खंडों में भी शिविर लगाएगा। शिविर में अभिहित अधिकारी सागर दत्ता एवं वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी राखी ठाकुर उपस्थित रहे। विभाग ने गुणवत्ता पूर्ण व स्वच्छ खाद्य पदार्थों की उपलब्धता के लिए ऐसे अभियान जारी रखने की बात कही।

स्वास्थ्य मंत्री ने महारानी अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, 300 बिस्तर विस्तार और नई सुविधाओं को सुनिश्चित करने दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बुधवार को बस्तर अंचल के महारानी अस्पताल का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को अस्पताल की गौरवशाली पहचान के अनुरूप मानवीय संवेदनाओं के साथ मरीजों को बेहतर उपचार एवं सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल को आम लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप अधिक सुविधाजनक और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अस्पताल की वर्तमान 200 बिस्तर क्षमता को बढ़ाकर 300 शैयायुक्त करने के निर्देश देते हुए नए सेटअप तथा अस्पताल भवन उन्नयन का प्रस्ताव विभाग को भेजने कहा। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में डायलिसिस सेंटर एवं कैंसर यूनिट के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अस्पताल परिसर की अंदरूनी सड़कों की मरम्मत भी शीघ्र करवाने कहा। उन्होंने अस्पताल के आपातकालीन चिकित्सा कक्ष, ओपीडी, ईसीजी यूनिट तथा ब्लड बैंक का निरीक्षण किया और उपचार के लिए आए मरीजों तथा उनके परिजनों से आत्मीयता से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मंत्री ने अटल आरोग्य लैब का भी निरीक्षण करते हुए यहां उपलब्ध जांच सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक उपकरणों की शीघ्र स्थापना कर सभी 134 प्रकार की जांच सुविधाएं जल्द सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टर्स डे के अवसर पर महारानी अस्पताल में केक काटकर चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों से समर्पण और सेवा भाव के साथ चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का आह्वान किया।

सलिया टोली में 250 सीटर नालंदा परिसर, कुनकुरी के युवाओं को घर बैठे मिलेगी दिल्ली जैसी कोचिंग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कुनकुरी के सलियाटोली में 4.37 करोड़ रुपये की लागत से 250 सीटर सर्व सुविधायुक्त नालंदा परिसर निर्माण का निर्माण कार्य किया जा रहा है। विगित वर्ष 21 जून को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कुनकुरी में भूमिपूजन किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश के युवाओं को शिक्षा की उन्नत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में नालंदा परिसर निर्माण की स्वीकृति दी गयी है। जशपुर जिले में भी 2 स्थानों जशपुर जिला मुख्यालय और कुनकुरी के सलिया टोली में नालंदा परिसर का निर्माण किया जा रहा है। यहां के वृहद पुस्तकालय के साथ आधुनिक शिक्षण सुविधाएं एवं तकनीकी संसाधन प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों की निर्बाध पढ़ाई के लिए यह 24 घंटे खुला रहेगा।

नालंदा परिसर में होगी अत्याधुनिक सुविधा के साथ 24 घंटे पढ़ाई की सुविधा

इस नालंदा परिसर में महानगरों के समान हफ्ते के सातों दिन पढ़ने की सुविधा प्रदान की जाएगी। यहां इंडोर एवं आउटडोर पढ़ने के लिए सुविधा होगी। प्रकृति के करीब होकर भी विद्यार्थी ऑक्सी रीडिंग जोन में पढ़ने का आनंद ले सकेंगे। इस परिसर को स्वायत्त मॉडल में विकसित किया जा रहा है जहां पर्यावरण का ख्याल रखते हुए सौर ऊर्जा से कैंपस को रौशनी दी जाएगी। इसके लिए इको फ्रेंडली डिजाइन का निर्माण किया गया है, जिसमें विद्युत की खपत कम होगी, यहां 50 से अधिक नेटिव पौधों की प्रजातियों का भी रोपण किया जाएगा। इस कैंपस में भविष्य की मांग को देखते हुए मानसिक के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यूथ टावर, स्पोर्ट्स कोर्ट्स, कैफेटेरिया, एटीएम, हेल्थ जोन जैसे युवाओं के लिए आवश्यक सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा। परिसर को स्वायत्त मॉडल में विकसित करने के लिए स्ववित्तीयन के लिए संचालन मॉडल को भी विकसित किया जाएगा। इस लाइब्रेरी में 50 हजार से अधिक किताबें उपलब्ध होंगी। जिसके साथ डिजिटल लाइब्रेरी, वाईफाई जोन, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें भी उपलब्ध होंगीं। लाइब्रेरी में आरएफ आईडी के द्वारा प्रवेश, बायोमेट्रिक आईडी, आरएफ आईडी द्वारा किताबों की ट्रेकिंग, सॉफ्टवेयर द्वारा किताबों का व्यवस्थापन की व्यवस्था होगी।

7 नए पार्षदों ने ली शपथ, विकास का लिया संकल्प

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। नगर पालिका परिषद जशपुर के वार्ड क्रमांक 08 एवं 14 में संपन्न उपचुनाव के नवनिर्वाचित पार्षदों तथा शासन द्वारा मनोनीत पांच पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आज नगर पालिका परिषद के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी समीर बड़ा ने सभी नवनिर्वाचित एवं मनोनीत पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, पूर्व सांसद राजा रणविजय सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार राय, ओमप्रकाश सिन्हा, नगर पालिका के सीएमओ योगेश्वर उपाध्याय सहित जनप्रतिनिधि, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने नवनिर्वाचित एवं मनोनीत पार्षदों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी जिम्मेदारी नगर के समग्र विकास और नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी पार्षद दृढ़ संकल्प और जनसेवा की भावना के साथ नगर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। पूर्व सांसद राजा रणविजय सिंह जूदेव ने भी सभी पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहर के सर्वांगीण विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधियों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता और तत्परता के साथ निराकरण करना जनप्रतिनिधियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

दो नवनिर्वाचित एवं पांच मनोनीत पार्षदों ने ली शपथ

शपथ ग्रहण समारोह में वार्ड क्रमांक 08 से प्रेमलता साहू (भारतीय जनता पार्टी) तथा वार्ड क्रमांक 14 से प्रिया सिंग (भारतीय जनता पार्टी) ने नवनिर्वाचित पार्षद के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इसी प्रकार शासन द्वारा मनोनीत पार्षदों में संतोष सिंह, राधेश्याम राम, रूपेश सोनी, ओमप्रकाश नायक एवं श्रीमती नीतू गुप्ता ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण समारोह के अंत में आभार प्रदर्शन नगर पालिका जशपुर के अध्यक्ष अरविन्द भगत ने किया।

शहर की सरकारी भूमि पर वर्षो से काबिज स्थानीय लोगो को पट्टा देने सहित 7 सूत्रीय मांग

राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम शिवसेना ने सौपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शहर की शासकीय भूमि पर वर्षो से काबिज किसान व मजदूरों को पट्टा दिए जाने एवं दीगर जिले व प्रदेश आकर शहर की सरकारी भूमि पर कब्जा जमाने वालो को हटाने सहित सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन शिवसेना शिंदे गुट ने कलेक्टर को सौपा है। जिलाध्यक्ष हेमंत महंत के नेतृत्व में प्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौपे अपने सात सूत्रीय ज्ञापन में मांग की है कि यहां नगर पालिका क्षेत्र की शासकीय भूमि पर जो किसान व मजदूर विगत 50-60 वर्षों से काबिज है उन्हें उक्त भूमि का पट्टा प्रदाय किया जाए एवं दीगर जिला एवं राज्यों से आकर शहर की

सरकारी भूमि हड़प कर कब्जा जमाने वालो की जांच करते हुए उनके खिलाफ बेदखली की कार्रवाई अविलम्ब की जाए। वहीं जिले में भू-माफियों के विरूद्ध खरीद बिक्रीयों पर जल्द रोक लगाने तथा नगर पालिका एवं अनुविभागीय अधिकारी के आदेश बगैर रजिस्ट्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। इसके अलावे जिले के धान खरीदी केन्द्रो मे हो रहे भष्टाचार रोकने खरीदी प्रभारियों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों व वरदाना प्रभारियों का तबादला करने, सूरजुपर, जयनगर, चन्दननगर, शिवप्रसादनगर, सिलफिली समितियों मे धान खरीदी में उजागर हुए घोटाले की तत्काल जांच कर उचित कार्यवाही करने, बाल संरक्षण इकाई किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति मे अधिकारी कार्यरत है जो अपराधिक गतिविधियों से पूर्व मे जुड़े है उक्त अधिकारी को सम्बंधित विभाग मे किस आधार पर अधिकारी नियुक्ति किया गया है उनके चरित्र प्रमाण पत्रो की तत्काल जांच कराने, 10 वर्षों से एक ही कार्यालय में जमे अधिकारी कर्मचारियों को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरण करने, जिला चिकित्सालय मे हो रहे ईलाज मे अनभिक्ताओं पर रोक लगाने एवं पदस्थ डॉक्टरो द्वारा निजी हॉस्पिटल क्लीनिक चलाया जा रहा है उस पर रोक लगाने, हॉस्पीटल में उपलब्ध सोनोग्राफी एवं अन्य मशीनो का नागरिको को लाभ दिलाये जाने तथा फर्जी शिक्षा कर्मी वर्ग-1 एवं -2 की 2005 से 2007 के नियुक्तियों पर जांच कराये जाने की मांग की गई है। ज्ञापन सौपने के दौरान बालाकुँवर राजवाड़े, हेमन्त कमार महन्त, लक्ष्मण सिंह, अमरावती, गोलू देवांगन, अशोक कुमार ठाकुर शामिल रहे।

पीएचई ठेकेदार के आत्महत्या से आक्रोशित जिले के ठेकेदारों ने किया प्रदर्शन

लंबित भुगतान की मांग का सौपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गत दिवस पीएचई खैरागढ़ के ठेकेदार गणेश्वर जंघेल ने भुगतान लम्बित होने के कारण आत्महत्या कर लिया जिससे पूरे प्रदेश के ठेकेदारों में आक्रोश व्याप्त है। जिसको लेकर बुधवार को सूरजपुर जिले के पीएचई ठेकेदार संघ ने स्व जंघेल को श्रंधाजली अर्पित करते हुए मौन धरना कर अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। ठेकेदारों ने समय पर भुगतान, लंबित बिलों के शीघ्र निपटारे तथा विभागीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण की मांग उठाई। ठेकेदारो ने कहा कि विभाग के द्वारा भुगतान नहीं करने पर ठेकेदार आत्महत्या करने मजबूर हो रहे है। यही हाल रहा तो और ठेकेदार आत्म हत्या करने मजबूर होंगे। प्रदर्शन के दौरान कहा गया कि भुगतान में लगातार हो रही देरी के कारण निर्माण एवं रखरखाव कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे

आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शासन एवं विभाग से जल्द समाधान निकालने का आग्रह किया है। प्रदर्शन के पश्चात ठेकेदारों ने संबंधित अधिकारियों को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। ठेकेदारों ने कार्यपालन अभियंता को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक कार्यवाही की माँग की। उपस्थित ठेकेदारों में अंकित गर्ग अंशुल गोयल, कलवंत गोयल, मुकेश गोयल, प्रकाश अग्रवाल, विकास खत्री, दिनेश गोयल मुकेश गर्ग राकेश शुक्ला गुप्तेश्वर पांडेय दिनेश गोयल विवेकानंद झा लकी गोयल विनय जायसवाल अनुराग डालमिया जीवन रौतेला सत्येंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में ठेकेदार उपस्थित थे।

अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर 8 वाहन जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण करने वालों पर अब सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। खनिज अमला एवं जिला स्तरीय

टास्कफोर्स द्वारा खनिजों के खनन, परिवहन एवं भण्डारण से प्रभावित क्षेत्रों की निरंतर निगरानी की जा रही है।

इसी क्रम में विगत दिनों खनिज अमला सूरजपुर द्वारा तहसील रामानुजनगर क्षेत्र में खनिज वाहनों की जांच के दौरान रामानुजनगर बाजार के पास खनिज गिट्टी से भरी 01 हाईवा को जप्त कर थाना रामानुजनगर के सुरक्षार्थ रखा गया। इसके पश्चात 28 जून को तहसील सूरजपुर क्षेत्र के ग्राम देवीपुर से खनिज बोल्डर परिवहन के 02 प्रकरण तथा ग्राम रूनियाडीह-नमदगिरी सीमा के पास स्थित रेत घाट से रेत परिवहन के 01 प्रकरण दर्ज कर वाहनों को पुलिस थाना सूरजपुर के सुरक्षार्थ रखा गया।

सतत भ्रमण के दौरान 30 जून को तहसील भैयाथान के ग्राम बड़सरा से खनिज रेत के परिवहन में संलिप्त 02 ट्रैक्टर वाहनों को जप्त कर पुलिस चौकी बसदेई के सुरक्षार्थ खड़ी कराया गया। वहीं बुधवार को ग्राम कुरूवा के पण्डित पारा रेत घाट में खनिज रेत उत्खनन में संलिप्त 02 टिपर पर अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज कर थाना बिश्रामपुर के सुरक्षार्थ खड़ी कराया गया। खनि अमला एवं जिला स्तरीय टास्कफोर्स द्वारा जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर सतत निगरानी रखते हुए दोषियों के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से मिला लर्निंग लाइसेंस

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी नियमित रूप से शिकायतों की समीक्षा कर संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वे स्वयं विभिन्न प्रकरणों की वस्तुस्थिति की जानकारी लेकर शिकायतकर्ताओं की समस्याओं के प्रभावी एवं स्थायी समाधान पर विशेष ध्यान दे रही हैं। इसी कड़ी में विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत सोनहत निवासी श्री राजेश कुमार कुशवाहा ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने बताया था कि लर्निंग लाइसेंस शिविर में आवेदन करने के बावजूद लंबे समय तक उनका लर्निंग लाइसेंस जारी नहीं हुआ तथा उन्हें किसी प्रकार की जानकारी भी उपलब्ध नहीं कराई गई। जिस पर जिला परिवहन विभाग ने मामले का तत्काल परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की। इसके उपरांत आवेदक का लर्निंग लाइसेंस जारी कर शिकायत का निराकरण किया गया। समस्या के त्वरित समाधान पर राजेश ने संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया।

चोरी की कार बरामद, आरोपी गिरफ्तार, प्रतापपुर पुलिस की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की प्रतापपुर पुलिस ने कार चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर कार एवं अन्य साक्ष्य बरामद किए हैं।

ग्राम मानी के समीउल्लाह ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 22 जून की रात्रि प्रतापपुर बाजार स्थित अपने मोटर साइकिल गैराज को बंद करने से पहले हुंडई द्व20 कार क्रमांक ष्टत्र09छ्व-8413 की चाबी तलाश की, लेकिन चाबी नहीं मिलने पर कार को गैराज के बाहर खड़ा छोड़कर घर चले गए। अगले दिन सुबह लगभग दुकान पहुंचने पर देखा कि दुकान के सामने खड़ी कार गायब थी। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा कार चोरी कर ली गई थी। चोरी गई कार की अनुमानित कीमत लगभग 6 लाख बताई गई, जिस पर थाना प्रतापपुर में धारा 303(1) बीएनएस का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने तकनीकी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी महताब अंसारी पिता जलालुद्दीन उम्र 30 वर्ष, निवासी गोपालपुर, थाना राजपुर, जिला बलरामपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी के मेमोरेंडम के आधार पर चोरी गई कार एवं प्रकरण से संबंधित अन्य सामग्री बरामद की गई।

मामले में पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को 1 जुलाई को विधिवत गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में आगे की विवेचना थाना प्रतापपुर पुलिस द्वारा की जा रही है।

यूथ कांग्रेस ने मुख्यमंत्री डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल के प्राचार्य पर लगाए गम्भीर आरोप

कलेक्टर से शिकायत जांच व कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यूथ कांग्रेस ने मुख्यमंत्री डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, तिलसिवां के प्राचार्य पर गम्भीर आरोप लगाते हुए कलेक्टर से शिकायत की है। शिकायत में अभिभावकों को गुमराह करने एवं छात्रों के शिक्षा के अधिकार के साथ खिलवाड़ करने के आरोप लगाए गए हैं।

यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष के नेतृत्व में सौंपे गए आवेदन में बताया गया है कि विद्यालय में नर्सरी एवं एल.के.जी. कक्षाओं में प्रवेश ऑनलाइन माध्यम से किया जाना है, जबकि अन्य कक्षाओं में ऑफलाइन प्रक्रिया अपनाई जाती है। साथ ही शासन की आर.टी.ई. योजना के तहत गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को नि:शुल्क प्रवेश दिए जाने का प्रावधान है।किन्तु विद्यालय प्रबंधन द्वारा अभिभावकों को सही जानकारी नहीं दी जा रही है तथा उनसे अनुचित व्यवहार किया जा रहा है। आरोप है कि अभिभावकों पर बच्चों का प्रवेश पेड सीट पर कराने का दबाव बनाया जा रहा है, जबकि आर.टी.ई. के तहत मिलने वाले अधिकारों की

जानकारी जानबूझकर छुपाई जा रही है। इस संबंध में कई अभिभावकों द्वारा पूर्व में भी शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है। कलेक्ट्रेट कार्यालय से महज कुछ दूरी पर स्थित विद्यालय में इस प्रकार की अनियमितताएं हो रही हैं। यूथ कांग्रेस ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को उनके शिक्षा के अधिकार से वंचित न किया जा सके। यूथ कांग्रेस ने मामले को तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने जिला प्रशासन से आग्रह किया है।

वीबी जी राम जी योजना का जिले में शुभारंभ, ग्रामीणों को मिलेगा रोजगार और आजीविका सशक्तिकरण का नया अवसर

★ 300 रुपये दैनिक मजदूरी और 125 दिनों के रोजगार की गारंटी से श्रमिकों में उत्साह

★ जागरूकता रैली, मानव श्रृंखला और श्रमिक संवाद के माध्यम से दिया गया जनभागीदारी का संदेश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) योजना का जिले में औपचारिक शुभारंभ किया गया।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन तथा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले की सभी जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों में व्यापक जन जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

योजना के शुभारंभ अवसर पर श्रमिक संवाद, जागरूकता रैलियां, मानव श्रृंखला, ग्राम स्तरीय बैठकों तथा जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को योजना की विशेषताओं, पात्रता और लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। विभिन्न कार्यस्थलों पर श्रमिकों को योजना के उद्देश्यों एवं प्रावधानों से अवगत कराते हुए इसे जनभागीदारी के माध्यम से सफल बनाने का सामूहिक संकल्प भी लिया गया। वीबी जी राम जी योजना के अंतर्गत दैनिक मजदूरी दर बढ़ाकर 300 रुपये निर्धारित की गई है तथा प्रत्येक पात्र पंजीकृत परिवार को वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही समयबद्ध और पारदर्शी भुगतान व्यवस्था, कार्य उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता, ग्राम सभाओं की सक्रिय भागीदारी तथा डिजिटल प्रणाली के माध्यम से कार्यों की निगरानी जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का विस्तार करते हुए आजीविका को सुदृढ़ बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करना है। इसके अंतर्गत जल संरक्षण, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, ग्रामीण अधोसंरचना विकास तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि के साथ सतत विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

पुलिस सेवा समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण का दायित्व : डीआईजी

सेवानिवृत्त एसआई व आरक्षक को पुलिस परिवार ने दी भावभीनी विदाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में मंगलवार को पुलिस विभाग में दीर्घकालीन एवं उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के उपरांत सेवानिवृत्त हुए एसआई एवं आरक्षक के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने सेवानिवृत्त हो रहे एसआई अश्वनी पाण्डेय व आरक्षक रामप्रसाद को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनके उत्कृष्ट सेवाकाल के लिए सम्मानित किया साथ ही पेंशन स्वीकृति आदेश भी सौंपा। अपने उद्बोधन में एसएसपी ने कहा कि एसआई अश्वनी पाण्डेय ने 38.10 वर्ष तथा आरक्षक रामप्रसाद 28.7 वर्ष की सेवा के उपरान्त सेवानिवृत्त हो रहे है। पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं बल्कि समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण का दायित्व है। सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने अपने सेवाकाल में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी एवं समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके अनुभव एवं कार्यशैली आने वाली पीढ़ी के पुलिसकर्मियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने दोनों के स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय भविष्य की शुभकामनाएं दीं।समारोह के दौरान सेवानिवृत्त एसआई अश्वनी पाण्डेय व आरक्षक रामप्रसाद ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए विभाग द्वारा दिए गए सम्मान एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संदेश दिये।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सेवानिवृत्त साथियों के साथ बिताए गए कार्यकाल को स्मरण करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, सीएसपी बेनार्ड कुजूर सहित पुलिस कार्यालय व थाना चौकी के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने छात्रा को प्रदान किए बैग एवं गणवेश, छात्रावास की भी होगी व्यवस्था

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन ने संवेदनशील पहल करते हुए एक जरूरतमंद छात्रा के उच्च शिक्षा के सपनों को नया संबल प्रदान किया है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने गोवर्धनपुर निवासी छात्रा स्वाति मरावी को बैग एवं गणवेश प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा पूरे मनोयोग और लगन के साथ अध्ययन जारी रखने के लिए प्रेरित किया।उल्लेखनीय है कि छात्रा ने पारिवारिक आर्थिक

कठिनाइयों के कारण पढ़ाई प्रभावित होने की जानकारी देते हुए जिला प्रशासन से सहयोग का अनुरोध किया था। मामले पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने शिक्षा विभाग को त्वरित आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके तहत छात्रा को गणवेश एवं बैग उपलब्ध कराया गया है। साथ ही छात्रावास में प्रवेश, पाठ्य-पुस्तकों की उपलब्धता तथा फीस की व्यवस्था सुनिश्चित करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है।वर्तमान में स्वाति मरावी शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा हैं। जिला प्रशासन की यह पहल बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने तथा आर्थिक अभाव को शिक्षा में बाधा नहीं बनने देने की शासन की प्रतिबद्धता को साकार रूप प्रदान करती है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

पहुंचविहीन क्षेत्रों में जनजाति समुदायों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

राष्ट्रीय अजजा आयोग की सदस्य ने की विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा बुधवार को सरगुजा जिला प्रवास पर रहीं। इस दौरान उन्होंने जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के अनुसूचित जनजातियों हेतु संवैधानिक सुरक्षा उपायों तथा कल्याण एवं विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग से एडवाइजर एच.आर. मीणा, वरिष्ठ अंवेक्षक सोनल राज, कंसल्टेंट जेपी सिंह, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति आयोग के सचिव पवन नेताम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ललित शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित जनजातीय कल्याण योजनाओं की प्रगति, लाभान्वित हितग्राहियों की संख्या तथा योजनाओं के प्रभावी संचालन के संबंध में जानकारी दी। डॉ. लकड़ा ने विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि अनुसूचित जनजाति समुदाय के पात्र हितग्राहियों को शासन की सभी योजनाओं का समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजातियों को संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

बुनियादी अवसंरचना आवास, पेयजल, विद्युतविहीन, स्वच्छता, सड़क, दूरसंचार के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पहुंचविहीन क्षेत्रों में जनजाति समुदायों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। इसलिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है। जिले में ऐसे कई ग्राम चिन्हांकित किए गए हैं जहां बुनियादी अवसंरचना में आयोग द्वारा जांच में कमी पाई गई है, इसलिए ऐसे सभी ग्रामों का प्राथमिकता के साथ जांच करके संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई करें। उन्होंने स्वास्थ्य और पोषण, मातृ शिशु स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, जनजातीय/समाजिक कल्याण, कौशल विकास एवं रोजगार, वन कृषि और जल संसाधन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने कहा।

डॉ. लकड़ा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के संचालन में विलंब न हो, पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे। विभाग अपनी जिम्मेदारी का गम्भीरतापूर्वक निर्वहन करे। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों की नियमित निगरानी करने और आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आयोग की सदस्य द्वारा पूछे गए बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

सर्किट हाउस में जनजातीय प्रतिनिधियों से किया संवाद

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने सर्किट हाउस में अनुसूचित जनजाति समुदाय के प्रतिनिधियों एवं सदस्यों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अधिकार, कर्तव्यों एवं कार्यों की जानकारी दी और बताया कि आयोग अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा तथा उनके सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास हेतु निरंतर कार्यरत है। उपस्थित समाज प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों से जनजातीय समुदाय से संबंधित समस्याओं, चुनौतियों एवं मांगों को विस्तार पूर्वक प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया। इस दौरान समाज प्रतिनिधियों द्वारा अपने क्षेत्र एवं समुदाय से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों को रखा गया। सड़क निर्माण, क्षतिग्रस्त बांध की मरम्मत, जनजातीय भूमि संरक्षण, बॉक्साइट खनन प्रभावित क्षेत्रों के लिए उचित मुआवजा, जाति प्रमाणपत्र बनाने में आ रही समस्याएं, कोरवा व पंडो अनुसूचित जनजाति को विशेष पिछड़ी जनजाति में शामिल करने, हाथी विचरण क्षेत्रों की समस्या तथा सरना स्थलों के संरक्षण के सम्बन्ध में चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त अंबिकापुर के सार्वजनिक स्थलों पर भगवान बिरसा मुण्डा, सिद्धू एवं कान्हू सहित आदिवासी महानायकों की प्रतिमाएं स्थापित करने की मांग की गई है। इस दौरान सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपमा सिंह, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष रामकिशुन सिंह, पूर्व सरगुजा सांसद कमलभान सिंह, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग से पुरूनेन्दु कांत, पी.के. दास, सोनल राज, एच.आर. मीना, जे.पी. सिंह तथा कुलेश्वर साहू, जनजातीय समाज के विभिन्न सामाजिक प्रतिनिधि, पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शहरी क्षेत्रों में भी ग्रामीण क्षेत्रों के समान मिले सुविधायें

संवाद के दौरान अंबिकापुर स्थित मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज एवं अन्य शासकीय शिक्षण संस्थानों में जनजातीय विद्यार्थियों हेतु छात्रावास एवं हॉस्टल की आवश्यकता पर समाज के लोगों ने बल दिया। साथ ही सरगुजा क्षेत्र पांचवी अनुसूची क्षेत्र होने के कारण शहरी क्षेत्रों में भी जनजातीय समुदाय को ग्रामीण क्षेत्रों के समान सुविधायें एवं आरक्षण संबंधी लाभ उपलब्ध कराने कहा गया। डॉ. आशा लकड़ा ने उपस्थित सभी समाज प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि संवाद कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सभी सुझावों, मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक संज्ञान में लिया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित विषयों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभाग एवं शासन स्तर पर प्रेषित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु हर संभव प्रयास किया जाएगा।

नौगई घटना की निष्पक्ष जांच एवं कानून-व्यवस्था बनाये रखने की मांग

संभागीय सर्व ब्राह्मण समाज ने आईजी सरगुजा रेंज को सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभागीय सर्व ब्राह्मण समाज ने कोरिया जिले के ग्राम नौगई में घटित दु:खद एवं हृदयविदारक घटना की कड़ी निंदा करते हुए पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा संभाग को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं बिना किसी बाहरी दबाव के जांच कराने की मांग की है। संभागीय सर्व ब्राह्मण समाज ने कहा है कि इस प्रकार की घटनाएं सामाजिक सौहार्द्र एवं कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती हैं। इसलिए आवश्यक है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि समाज में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास बना रहे और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन में मांग की गई है कि जांच प्रक्रिया में किसी भी सामाजिक, राजनीतिक अथवा अन्य संगठन का अनावश्यक हस्तक्षेप न होने दिया जाए। जांच अधिकारियों पर किसी भी प्रकार का बाहरी दबाव न बनाया जाए। साथ ही, कानून-व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द्र बनाए रखने के लिए आवश्यकता अनुसार जनसभाओं, रैलियों एवं भीड़ एकत्रित करने वाले कार्यक्रमों पर नियंत्रण रखा जाए। यह भी मांग की गई है कि, जांच के दौरान संबंधित परिवारों, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों को बिना उचित कारण अनावश्यक पूछताछ का हिस्सा न बनाया जाए तथा जिन व्यक्तियों का घटना से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से थाने में बैठाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित न किया जाए। समाज ने सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से भड़काऊ, उत्तेजक एवं समाज में वैमनस्य फैलाने वाले वक्तव्य देने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग की है। समाज ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस प्रकरण की सीबीआई जांच कराने के लिए दिए गए आदेश का स्वागत किया है। समाज का मानना है कि सीबीआई जैसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा की जाने वाली जांच से पूरे प्रकरण के सभी तथ्य निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सामने आएंगे तथा वास्तविक दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित होगी, वहीं निर्दोष व्यक्तियों को न्याय मिलेगा। समाज ने विश्वास व्यक्त किया है कि पुलिस प्रशासन एवं जांच एजेंसियां पूरी निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ जांच कर वास्तविक दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करेंगी तथा निर्दोष व्यक्तियों को किसी भी प्रकार की अनावश्यक प्रताड़ना से संरक्षण प्रदान करेंगी।

कक्षा छठवीं के लिये प्रवेश के लिये परीक्षा 5 को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास छत्तीसगढ़ रायपुर के द्वारा संचालित मुख्यमंत्री विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अतर्गत वर्ष 2026-27 कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु प्राक्चयन परीक्षा का आयोजन 05 जुलाई को दोपहर 12 से 02 बजे तक परीक्षा केन्द्र प्रयास आवासीय विद्यालय अंबिकापुर (ग्राम-घंघरी) में आयोजित है। उन्होंने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं द्वारा प्रवेश हेतु आवेदन पत्र कार्यालय सहायक आयुक्त अंबिकापुर में जमा किया गया है उनका प्रवेश पत्र कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अंबिकापुर से एवं जिन छात्र-छात्राओं ने विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, मण्डल संयोजक लखनपुर, उदयपुर, लुण्ड्रा, बतौली, सीतापुर एवं मैनपाट में जमा किये हैं वे अपना प्रवेश पत्र संबंधित मण्डल संयोजकों से 01 जुलाई से प्राप्त कर सकते हैं अथवा निर्धारित परीक्षा तिथि को परीक्षा केन्द्र प्रयास आवासीय विद्यालय अंबिकापुर (ग्राम घंघरी) से परीक्षा प्रारंभ होने के डेढ़ घण्टे पूर्व उपस्थित होकर केन्द्राध्यक्ष से प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा तिथि को फोटो युक्त पहचान पत्र के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है। परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु वे विद्यार्थी पात्र होंगे जिनके पालकों की वार्षिक आय 2.50 लाख से अधिक न हो, आयकरदाता न हो, सरगुजा जिले के मूल निवासी हो, कक्षा 4थी में 80 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थी हों तथा ग्रामीण अंचल के विद्यालयों में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत हों।

कलेक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक संपन्न

सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण की हुई समीक्षा, गुणवत्तापूर्ण निराकरण के दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर राम सिंह ठाकुर, नगर निगम आयुक्त डी.एन. कश्यप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जिला खनिज न्यास संस्थान (डीएमएफ) एवं अन्य मदों के अंतर्गत स्वीकृत, पूर्ण एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की विभागवार समीक्षा की तथा निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने कहा। कलेक्टर ने विभागों में गत माह सेवानिवृत्त कर्मचारियों की जानकारी ली तथा कहा कि सेवा अवधि समाप्त करने वाले विभाग के कर्मचारियों को उसी दिन आवश्यक दस्तावेज पीपीओ एवं जीपीओ प्राधिकार पत्र सहित अन्य प्रदान कर दिए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़कों का निरीक्षण कर आवश्यकता अनुसार सड़कों के सुधारीकरण एवं मरम्मत के निर्देश दिए। इस दौरान पूर्व बैठक एवं निरीक्षणों में दिए गए निर्देशों के प्रगति की समीक्षा की तथा क्रियान्वयन की जानकारी ली गई। नक्शा प्रोजेक्ट में प्रगति, एग्रिस्टेक पंजीयन, जाति प्रमाण पत्र में प्रगति, आयुष्मान कार्ड निर्माण, अपार आईडी सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल आदि पर समीक्षा की गई।

सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों का प्राथमिकता से करें निराकरण

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त आवेदनों की विभागवार जानकारी ली तथा समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करना अनिवार्य है। इसके लिए सभी विभाग जिम्मेदारी के साथ निराकरण करें। बैठक में सुशासन तिहार 2026 के दौरान प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निराकरण हेतु शेष आवेदनों का तत्काल शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग से सम्बन्धी आवेदनों के निराकरण में तेजी लाने कहा तथा सभी एसडीएम को मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण हो।

आधार बेस्ड उपस्थिति अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश

कलेक्टर ने विभागों से आधार बेस्ड उपस्थिति के सम्बन्ध में जानकारी ली तथा कहा कि विभागीय अधिकारी कार्यालयों में अनिवार्य रूप से आधार बेस्ड उपस्थिति लागू करें। अधिकारी एवं कर्मचारी की उपस्थिति आधार-बेस्ड सिस्टम से दर्ज कराना सुनिश्चित करें, इसका अनिवार्य रूप से पालन हो। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को प्राथमिकता के साथ शिक्षकीय एवं गैर शिक्षकीय स्टाफ की प्रतिदिन ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने कहा।

राजस्व अधिकारी अपने कार्यालयों में कुछ नवाचार करें

कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न राजस्व प्रकरणों के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने और 6 माह से अधिक के सभी प्रकरण शून्य करने कहा। उन्होंने कहा सभी नायब तहसीलदार निराकरण में प्रगति के साथ बैठक में उपस्थित हों। भू अर्जन से संबंधी प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकृत करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि आमजनों का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ाने राजस्व अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में कुछ नवाचार करें, ताकि आमजनों को लाभ मिले। बैठक में त्रुटि सुधार, नक्शा बटांकन, सीमांकन, नामांतरण, आधार सीडिंग, डिजिटल हस्ताक्षर, किसान किताब पत्र, जेंडर प्रविष्टि, कोटवारी भूमि, अतिक्रमण सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में पर्यटन मंत्री ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

ग्राम पंचायत परसोड़ी, लखनपुर में ग्रामीणों से किया आत्मीय संवाद

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने जनदर्शन कार्यक्रम अंतर्गत बुधवार को विकासखंड लखनपुर की ग्राम पंचायत परसोड़ी पहुंचकर ग्रामीणों से आत्मीय भेंट-मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इन्होंने पेयजल, सड़क, विद्युत, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य स्थानीय आवश्यकताओं से जुड़े विषय मंत्री के समक्ष रखे। पर्यटन मंत्री ने प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से चर्चा करते हुए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का शीघ्र लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ग्रामीणों से संवाद करते हुए मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जनदर्शन कार्यक्रम शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम है, जहां आम नागरिक अपनी बात सीधे रख सकता है और समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को गति मिलती है।

उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह, विश्वास और सहयोग ही उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए विकास के संकल्प को साकार करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का तत्काल समाधान संभव है, उनका शीघ्र निराकरण किया जाए। जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने मंत्री राजेश अग्रवाल के सहज, सरल एवं संवेदनशील व्यवहार की सराहना करते हुए समस्याओं को गंभीरता से सुनने और उनके समाधान के लिए त्वरित पहल करने पर आभार व्यक्त किया।

अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन, जेसीबी सहित अन्य वाहन जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर खनिज विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। जिला खनि अधिकारी ने बताया कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों एवं सूचना को संज्ञान में लेते हुए तत्काल कार्रवाई की गई। 28 जून को तहसील अंबिकापुर अंतर्गत लुचकी घाट में खनिज मिट्टी/मुरूम का उत्खनन करते हुए 01 नग जेसीबी वाहन क्रमांक सीजी 15 डीएम 7967 वाहन मालिक इस्लाम खान एवं 01 ट्रेक्टर वाहन क्रमांक सीजी 15 एई 2137 वाहन मालिक इस्लाम खान जप्त कर खनिज कलेक्टर परिसर में रखा गया है। 29 जून को उदयपुर तहसील अंतर्गत ग्राम केशगवां में 01 नग टीप्पर वाहन क्रमांक सीजी 15 ईजे 4504 वाहन मालिक राजा यादव को खनिज रेत के अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज कर थाना प्रभारी उदयपुर के अभिरक्षा में दिया गया है। इसी प्रकार चार वाहनों में सोल्ड ट्रेक्टर, वाहन मालिक रामचंद खनिज रेत, सोल्ड ट्रेक्टर वाहन मालिक मौहर साय साहू खनिज रेत, वाहन क्रमांक सीजी 13 बीडी 5155 में खनिज गिट्टी एवं वाहन क्रमांक सीजी 13 बीडी 5157 द्वय वाहन केमालिक सुनिल कुमार अग्रवाल को जप्त कर थाना प्रभारी सीतापुर के अभिरक्षा में रखा गया है। सभी प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21(4) एवं एमएमडीआर की धारा 21 (5) एवं 23 एवं छ.ग. गौण खनिज नियम 2015 यथा संशोधित 22 जून 2026 के नियम 71 के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि छ.ग. गौण खनिज नियम 2015 में व्यापक संशोधन अधिसूचना 22 जून 2026 के माध्यम से हुआ है। यथा संशोधित नियम के 71 (3) के तहत् शमन शुल्क न्यूनतम 25 हजार रुपये हो गया है। प्रशमन राशि न्यूनतम 25 हजार होगा या 2 हजार रुपये प्रति टन जो भी अधिक होगा, की वसूली अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारणकर्ता से की जाएगी। उक्त राशि के अलावा खनिज का बाजार मूल्य भी प्रकरणों में वसूल किया जाएगा। खनि अमला द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर सतत कार्रवाई जारी रहेगी।

संभागीय संयुक्त संचालक ने दयानिधि अस्पताल की जांच का दिया आदेश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आयुष्मान कार्ड के नाम पर सरगुजा संभाग के निजी अस्पतालों में चल रही धांधली का मामला अब तूल पकड़ रहा है। संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं सरगुजा ने ऐसे ही एक मामले में दयानिधि अस्पताल के संचालक डॉ. संदीप त्रिपाठी के खिलाफ लगाये जा रहे आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। संभागीय संयुक्त संचालक ने सीएमएचओ सरगुजा को 30 जून को एक पत्र प्रेषित करके अस्पताल संचालक के विरूद्ध लगाये गये आरोपों की जांच करने के निर्देश दिये हैं, और छह कार्यालयीन दिवस के अंतराल में अपने स्पष्ट अभिमत के साथ जांच प्रतिवेदन प्रेषित करने कहा है। इन पर आयुष्मान कार्ड लगे होने के बावजूद मरीजों से नकद पैसा लेने, सिर्फ 11 बिस्तर वाले अस्पताल को 3 साल में आयुष्मान योजना से 7 करोड़ रुपये का भुगतान करने, मरीजों से ली गई राशि सीधे अस्पताल के अकाउंट में जमा करने जैसे आरोप लगे हैं। यह भी आरोप है कि डॉ. त्रिपाठी शासकीय अवकाश पर रहकर अपने निजी अस्पताल में मरीजों का इलाज और धांधली में व्यस्त हैं। इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए संभागीय संयुक्त संचालक ने सीएमएचओ सरगुजा को प्रेषित किये गये पत्र में उल्लेखित शिकायतों के सभी तथ्यों की तत्काल जांच के लिये दल गठित कर सूक्ष्मता से जांच करने के निर्देश दिये हैं। इसकी प्रतिलिपि संचालक स्वास्थ्य सेवाएं नवा रायपुर, आयुक्त सरगुजा संभाग और कलेक्टर सरगुजा को भी प्रेषित की गई है। अब देखना यह है कि छह दिन में आने वाली जांच रिपोर्ट में क्या पर्दाफास होता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर